हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-263, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, शनिवार 08 मार्च 2025

सीएम योगी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि...02

पब्लिक हेल्थ से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध हो कठोर...06

नेस्ले इंडिया को सेबी की चेतावनी

मामूली गिरावट के साथ 74,332 पर बंद हुआ सेंसेक्स

अमेरिका ने क्रिप्टो का स्ट्रैटेजिक रिजर्व बनाया

संक्षिप्त समाचार

सेना के टी-72 टैंकों के ईंजन के लिए रूसी कंपनी के साथ करार

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय ने रूस की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (आरओई) के साथ 24 करोड़ 80 लाख डॉलर का अनुबंध किया है जिससे सेना के टी-72 टैंकों के 1000 हॉर्स पावर के ईंजन खरीदे जायेंगे। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि अनुबंध के तहत टैंकों के लिए 1000 हॉर्स पावर के पूरी तरह से तैयार और अर्ध-तैयार इंजन खरीदे जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण किया जायेगा । इस खरीद से मेक इन इंडिया पहल को बढावा मिलेगा। अनुबंध के तहत इंजनों की असेम्बली और बाद में लाइसेंस आधार पर उत्पादन मेसर्स आरओई से मेसर्स आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (हैवी व्हीकल फैक्ट्री), अवाडी, चेन्नई में किया जायेगा। टी-72 भारतीय सेना के टैंक बेड़े का मुख्य टैंक है, टी-72 टैंकों के मौजूदा बेड़े को 1000 हॉर्स पावर के इंजन से लैस करने से भारतीय सेना की युद्ध क्षेत्र में गतिशीलता और आक्रामक क्षमता में वृद्धि होगी।

शाह सीआईएसएफ स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

चेन्नई, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को तमिलनाडु के रानीपेट जिले के थक्कोलम में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 56वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। सीआईएसएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) में गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने और रस्मी परेड देखने के बाद श्री शाह ने सीआईएसएफ कर्मियों का साहसिक अभ्यास देखा। इस अभ्यास में आतंकवादी ताकतों को बेअसर करना, आतंकवादी हमलों के प्रयासों को विफल करना, आतंकवादियों से बंधकों को छुड़ाना, खोजी कुत्तों और अन्य मॉक ड्रिल का उपयोग करके बमों का पता लगाना तथा उनका निपटान करना शामिल था।

आगरा में मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमियों को बांटे चेक

अगले साल तक 20 लाख युवाओं को रोजगार देगी सरकार : योगी

आगरा, संवाददाता। सीएम युवा उद्यमी विकास योजना के तहत युवा उद्यमियों को चेक वितरण कार्यक्रम में सर्किट हाउस पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा उद्यमी विकास योजना से युवाओं को मार्जिन मनी के साथ ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए डेढ़ लाख युवाओं ने आवेदन किया है। बैंकों ने 25 हजार स्वीकृत कर दिए हैं। हमारे प्रदेश का युवा अब नौकरी के लिए नहीं भागेगा।

युवाओं में कार्य करने का जज्बा है। उनके पास दृष्टि है। जहां दृष्टि है वहां इनोवेशन है। इसके साथ तकनीकी मिलने से प्रदेश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सभी युवा धैर्य से कार्य करें। इस योजना से हम 31 मार्च तक एक लाख युवाओं को धनराशि देने वाले हैं। इसके बाद एक अप्रैल से फिर एक लाख अन्य युवा उद्यमियों को धनराशि दी जाएगी। एक लाख को धनराशि देने का अर्थ है दस लाख रोजगार देना। इस तरह अगले साल तक हम प्रदेश में 20 लाख युवाओं को रोजगार और नौकरी उपलब्ध कराएंगे।

मुख्यमंत्री ने कुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु महाकुंभ में आए, लेकिन कोई लूट, अपहरण या छेड़छाड़ जैसी घटना नहीं हुई। किसी को उगली उठाने का मौका नहीं मिला। महाकुंभ से आजीविका के नए मौके मिले। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 16वीं सदी तक दुनिया की अर्थव्यवस्था में 30 प्रतिशत योगदान भारत का था। विदेशी आक्रांताओं के आने तक भारत सोने की चिड़िया कहलाता था। धन धान्य से संपन्न था। खुशहाल भारत था। विदेशी आक्रांताओं ने भारत को लूटा। आजादी के बाद भी वर्ष 2014 तक भारत दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था रह गया था। हमें मोदी जी का आभार व्यक्त करना चाहिए, जिन्होंने ऐसी नीति लागू की जिससे देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी। देश जब अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा था, तब ब्रिटेन को पछाड़कर देश विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया। दो वर्ष में दुनियां की तीसरी अर्थव्यवस्था होगा भारत। इसका मतलब विकास होगा। देश की जीडीपी बढ़ेगी। प्रतिव्यक्ति आय बढ़ेगी। हर हाथ को काम होगा। किसान के चेहरे पर खुशहाली होगी। नया भारत विकसित भारत बनकर दुनिया को नेतृत्व देगा। प्रदेश के शिक्षित युवा बेरोजगारो को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना संचालित है। योजनान्तर्गत उद्योग स्थापना हेतु 25.00 लाख तक एवं सेवा क्षेत्र हेतु 10.00 लाख तक का ऋण बैंको के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। राज्य सरकार द्वारा 25 प्रतिशत मार्जिन मनी उपलब्ध करायें जाने का भी प्रावधान है जो कि उद्योग क्षेत्र हेतु अधिकतम 6.25 लाख तथा सेवा क्षेत्र हेतु अधिकतम र2.50 लाख है। इस हेतु अभ्यर्थी को उ0प्र0 का मूल निवासी एवं हाई स्कूल उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अभ्यर्थी की आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए तथा वह किसी भी वित्तीय संस्थान से चूककर्ता (डिफाल्टर) नहीं होना चाहिए। योजनान्तर्गत स्क्रूटिनी उपरान्त चयनित अभ्यर्थियों के आवेदन पत्रों को बैंक प्रेषित कर ऋण स्वीकृत एवं वितरित कराया जाता है।

सूरत में खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ, पीएम मोदी बोले

यह संतुष्टिकरण की भावना को बढ़ाएगा

सूरत, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सूरत में खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह संतृप्ति अभियान तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की भावना को आगे बढ़ाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि सूरत अनेक मामलों में गुजरात और देश का एक अग्रणी शहर है। सूरत आज गरीब और वंचित को भोजन और पोषण की सुरक्षा देने में आगे निकल रहा है। यहां आज जो खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान चलाया गया है। यह दूसरे जिलों और राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान सुनिश्चित करता है कि न कोई भेदभाव, न कोई छूटे, न कोई रूठे और न कोई किसी को ठगे। यह अभियान तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की भावना को आगे बढ़ाएगा। जब सरकार ही लाभार्थी के दरवाजे पर जा रही है, तो कोई छूटेगा कैसे और जब कोई छूटेगा नहीं तो कोई रूठेगा कैसे। जब सोच यह हो कि हमें सब तक लाभ पहुंचाना है, तो ठगने वाले दूर भाग जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे संतोष है कि हमारी सरकार गरीबों की सच्ची साथी बनकर खड़ी है। कोविड महामारी के दौरान जब भारत को महत्वपूर्ण सहायता की आवश्यकता थी, तब गरीबों को उचित भोजन मिले, इसके लिए गरीब कल्याण योजना शुरू की गई। यह अपनी तरह की दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि गुजरात सरकार ने इस पहल का विस्तार किया है। आज केंद्र सरकार गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे, इसके लिए दो लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है। पीएम ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में पौष्टिक भोजन की बड़ी भूमिका है। हमारा लक्ष्य देश के हर परिवार को पर्याप्त पोषण देना है ताकि कुपोषण और एनीमिया जैसी बड़ी समस्याओं से देश मुक्त हो सके। आज दुनिया भर के कुछ सबसे बड़े संगठन इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्वच्छ भारत अभियान ने गांवों में बीमारियों को कम करने में मदद की है।

पांच करोड़ से ज्यादा फर्जी राशन कार्ड सिस्टम से हटाए

उन्होंने कहा कि पहले एक जगह का राशन कार्ड दूसरी जगह नहीं चलता था। हमने इस समस्या का समाधान किया। हमने वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया। अब राशन कार्ड चाहे कहीं का भी हो, लाभार्थी को उसका फायदा देश के हर शहर में मिलता है। देश में पांच करोड़ से ज्यादा फर्जी राशन कार्ड धारक थे। हमारी सरकार ने उन्हें सिस्टम से हटा दिया। हमने राशन सिस्टम को आधार कार्ड से जोड़ा। बीते दशक में पूरे देश में हमने गरीब को सशक्त करने के लिए मिशन मोड पर काम किया।

राहुल ने गुजरात में की पार्टी नेताओं के साथ बैठक

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज गुजरात के अहमदाबाद में पार्टी के प्रदेश, जिला तथा ब्लॉक स्तर के नेताओं के साथ बैठक कर जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति का जायजा लिया। श्री गांधी के साथ इस बैठक में संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, कांग्रेस के गुजरात के प्रभारी महासचिव मुकुल वासनिक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल, विधानसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित चवदा आदि व कांग्रेस नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेता के गुजरात के कार्यक्रम में आज सबसे पहले कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति के नेताओं के साथ राजीव गांधी भवन में मुलाकात के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्षों से मुलाकात की।

गरीबों और वंचितों को ध्यान में रखकर नीति और कार्यक्रम लागू करें अधिकारी : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अधिकारियों से गरीबों और वंचितों को ध्यान में रखकर नीति और कार्यक्रम लागू करने को कहा है। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में 126वें इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लेने वाले राज्य सिविल सेवा अधिकारियों से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर अधिकारियों से प्रशासनिक कामकाज , सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में एक राष्ट्रीय और समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि शासन का सार लोगों की जरूरतों के प्रति जवाबदेही और संवेदनशीलता में निहित है। नागरिक-केंद्रित प्रशासन लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देता है, गरीबों और वंचितों पर ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने उन्हें यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि नीतियों और कार्यक्रमों को इस तरह से लागू किया जाए, जो उनकी चिंताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करे। उन्होंने कहा कि वे जो निर्णय लेते हैं और जो नीतियां लागू करते हैं, वे देश और लोगों के विकास में योगदान दें।

अयोध्या-काशी के बाद अब मथुरा की बारी... बरसाना में सीएम योगी ने खेली फूलों की होली, दे गए ये आश्वासन

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रज की रज में कन्हैया के दर्शन हर कोई करता है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे बार-बार यहां आने का मौका मिलता है। आगे कहा कि महाकुंभ ने सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले। सनातन की एकता का अकल्प समागम दुनिया ने देखा। इसकी सफलता के लिए सनातनियों का आभार जताया। भारत के तीन तीर्थ में काशी उत्तर प्रदेश में है। राम की जन्मभूमि भी इसी उत्तर प्रदेश में है और कृष्ण कन्हैया की पावन जन्मभूमि भी उत्तर प्रदेश में है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विरासत और विकास की परंपरा शुरू हुई, वह महाकुंभ में देखने को मिली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक दिवसीय दौरे पर मथुरा के बरसाना में रंगोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि काशी और अयोध्या के कायाकल्प के बाद अब मथुरा और ब्रज भूमि के विकास का समय आ गया है। बरसाना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्री लाडली जी महाराज मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फूलों व लड्डूमार होली के जरिए रंगोत्सव की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 5 हजार साल से भारत की सनातन संस्कृति को ऊर्जा देने वाली यह ब्रज भूमि श्रद्धा और आस्था की धरा है। इसके कण-कण में श्री राधा और श्री कृष्ण के दर्शन होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि यहां काशी, अयोध्या और मथुरा, ये तीनों तीर्थ स्थल सनातन एकता के प्रतीक के रूप में मौजूद हैं।

हरियाणा के पंचकूला में एयरफोर्स का फाइटर जेट जगुआर क्रैश

प्रशिक्षण के लिए उड़ान भरी थी, पहले पेड़ों से टकराया, फिर खाई में जा गिरा

पंचकूला, एजेंसी। एयरफोर्स का फाइटर जेट जगुआर शुक्रवार को तकनीकी खराबी की वजह से दोपहर करीब 3.45 बजे हरियाणा में पंचकूला के नजदीक क्रैश हो गया। फाइटर जेट ने अंबाला एयरबेस से प्रशिक्षण के लिए उड़ान भरी थी। हादसा के दौरान पायलट विमान से सुरक्षित बाहर निकल गया। हादसा पंचकूला के मोरनी में बालदवाला गांव के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान पहले पेड़ों से टकराया, फिर जंगल के बीच एक खाई में गिरा। विमान के गिरते ही उसमें आग लग गई। वह कई टुकड़ों में बंट गया। विमान के टुकड़े आसपास के क्षेत्रों में बिखरे पाए गए। पायलट विमान को रिहायशी इलाके से दूर ले गया, फिर खुद सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने वहां पहुंचकर पायलट को पानी पिलाकर मदद की। हादसे की जांच के लिए वायुसेना के विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंच गई है। जगुआर, एक ट्विन-इंजन डीप पेनिट्रेशन स्ट्राइक एयरक्राफ्ट है, जो दशकों से भारतीय वायुसेना के बेड़े का अहम हिस्सा रहा है। यह विमान बहुत कम ऊंचाई पर स्ट्राइक करने की क्षमताओं के लिए जाना जाता है। इसके अलावा विमान छोटे रनवे से भी उड़ान भरने में सक्षम है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में बहरेटा सानी गांव के पास 6फरवरी को एयरफोर्स का टू सीटर फाइटर प्लेन मिराज-2000 क्रैश हो गया था। प्लेन में दो पायलट थे। हादसे से पहले दोनों पायलटों ने खुद को इजेक्ट (बचकर निकले) कर लिया था। दोनों ही सुरक्षित हैं। भारतीय वायुसेना इस वक्त छह स्क्वाड्रन में करीब 120 जगुआर लड़ाकू विमान ऑपरेट करती है। इसकी 5वीं स्क्वाड्रन को टस्कर्स (हाथी) कहा जाता है। वहीं, 14वीं स्क्वाड्रन को बुल्स (बैल) कहा जाता है। यह दोनों स्क्वाड्रन अंबाला में तैनात हैं। इसके अलावा जगुआर की नंबर-6 स्क्वाड्रन को ड्रैगन्स बुलाया जाता है।

मिजोरम, म्यांमार के चिन समूहों में समझौता अवैध : विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्र सरकार ने मिज़ोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा द्वारा म्यांमार के विद्रोही चिन समूहों के विलय संबंधी कथित समझौते को आज अवैध करार दिया है और कहा है कि विदेश नीति संबंधी मुद्दे राज्य सरकार के दायरे में नहीं आते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा, हमने इस मामले पर कुछ रिपोर्टें देखी हैं। म्यांमार की स्थिति पर हमारा रुख सर्वविदित है। मैं यह भी दोहराना चाहूंगा कि विदेश नीति के मुद्दे राज्य सरकारों के दायरे में नहीं आते हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार म्यांमार के दो लोकतंत्र समर्थक विद्रोही समूहों - चिनलैंड काउंसिल और अंतरिम चिन राष्ट्रीय परामर्शदात्री परिषद (आईसीएनसीसी) ने दोनों संगठनों को मिलाकर चिन नेशनल काउंसिल का गठन किया है।

अल्पसंख्यकों के विरुद्ध अपराध रोके बंगलादेश : भारत

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने बंगलादेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जताई है तथा एक ऐसे स्थिर, शांतिपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील बंगलादेश के प्रति समर्थन एवं विकास सहयोग बढ़ाने की इच्छा का इज़हार किया है जिसमें हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनकी संपत्तियों एवं धार्मिक संस्थानों की रक्षा और हिंसक उन्मादियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित हो। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में बंगलादेश के बारे में पूछे गये सवालों के जवाब में यह बात कही। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, हम एक स्थिर, शांतिपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील बंगलादेश का समर्थन करते हैं जिसमें सभी मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीकों से और समावेशी और भागीदारी चुनाव आयोजित करके हल किया जाये। हम बिगड़ती कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में चिंतित हैं, हिंसक चरमपंथियों की रिहाई से और अधिक बढ़ गए, जिन्हें गंभीर अपराधों के लिए सजा सुनाई गई थी। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से जुड़े एक सवाल पर श्री जायसवाल ने कहा, हमने बार-बार रेखांकित किया है कि बंगलादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनकी संपत्तियों और धार्मिक संस्थानों की रक्षा करे। हालांकि, 5 अगस्त, 2024 से 16 फरवरी, 2025 तक 2374 से अधिक घटनाओं में से केवल 1254 घटनाओं की पुलिस द्वारा पुष्टि की गई है। इसके अलावा, इन 1254 घटनाओं में से 98 प्रतिशत घटनाओं को 'प्रकृति में राजनीतिक' माना गया था। हम उम्मीद करते हैं कि बंगलादेश इस तरह के बिना किसी भेदभाव के हत्याओं, आगजनी और हिंसा के सभी अपराधियों की पूरी तरह से जांच करेगा और न्याय के कटघरे में लाएगा। बंगलादेश के साथ विकास सहयोग के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि विकास सहयोग बंगलादेश के लोगों के साथ हमारे संबंधों का एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। हाल की सुरक्षा स्थिति और लंबे समय से स्थानीय मुद्दों ने इनमें से कुछ परियोजनाओं के कार्यान्वयन की गति को प्रभावित किया है।

डोकलाम पर सीमांकन को लेकर भारत भूटान के बीच विचार मंथन

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत एवं भूटान ने दोनों देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर डोकलाम सहित विवादास्पद मुद्दों के समाधान के लिए 06-07 मार्च को दो दिन तक गहन विचार मंथन किया। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि सीमा संबंधित मामलों की समीक्षा के लिए भारत सरकार के अधिकारियों और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के कार्यालय तथा भूटान की शाही सरकार के बीच नई दिल्ली में दो दिवसीय बैठक आज संपन्न हुई। भारतीय पक्ष का नेतृत्व भारत के महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाना ने किया और भूटानी पक्ष का नेतृत्व भूटान की शाही सरकार के अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के सचिव दाशो लेथो तांगबी ने किया। विज्ञप्ति के अनुसार दोनों पक्षों ने सीमा से संबंधित क्षेत्र मामलों पर संबंधित क्षेत्र सर्वेक्षण टीमों और अन्य हितधारकों द्वारा पूरा किए गए कार्य पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने अगले तीन फील्ड सत्रों के लिए कार्य योजना को भी अंतिम रूप दिया।

सुप्रीम कोर्ट का धारावी प्रोजेक्ट पर रोक से इनकार

कहा- वहां काम चालू है, यूएई बेस्ड कंपनी की मांग- अडाणी ग्रुप का टेंडर रद्द हो

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को धारावी रिडेवलेपमेंट प्रोजेक्ट (डीआरपी) के लिए चल रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। साथ ही बॉम्बे हाईकोर्ट के अडाणी ग्रुप के पक्ष में दिए फैसले को पलटने से भी मना कर दिया। यूएई की कंपनी सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉर्प ने इस प्रोजेक्ट को अडाणी प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। इसी के बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सेकलिंक ने अडाणी ग्रुप का टेंडर रद्द करने की मांग की है। धारावी रिडेवलेपमेंट प्रोजेक्ट एशिया का सबसे बड़ा शहरी पुनर्वास कार्यक्रम माना जा रहा है। पहले जानिए क्या है मामला मुंबई के धारावी को रिडेवलेप करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने 2019 में टेंडर जारी किया था। सेकलिंक ने 7,200 करोड़ रुपए की बोली लगाकर प्रोजेक्ट हासिल किया था। इसके बाद राज्य सरकार ने 2019 और 2022 के बीच आर्थिक स्थितियों में बदलावों का हवाला देते हुए टेंडर रद्द कर दिया। 2022 में नया टेंडर जारी हुआ, इस बार प्रोजेक्ट अडाणी ग्रुप को मिला। सेकलिंक ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की। दिसंबर, 2024 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने सेकलिंक की 2019 की बोली रद्द करने और 2022 में एक नया टेंडर जारी करने के महाराष्ट्र सरकार का फैसला बरकरार रखा।

सुप्रीम कोर्ट ने विधायक अब्बास अंसारी को दी अंतरिम जमानत

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के मऊ निर्वाचन क्षेत्र के विधायक अब्बास अंसारी को राज्य के गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने अंसारी की याचिका पर यह आदेश पारित किया। पीठ ने अंसारी को अदालत की पूर्व अनुमति के बिना उत्तर प्रदेश नहीं छोड़ने और अदालत में पेश होने से एक दिन पहले पुलिस अधिकारियों को सूचित करने के लिए कहा है। इसके अलावा पीठ ने उन्हें लखनऊ में अपने आधिकारिक आवास में रहने।

इजराइल ने वेस्ट बैंक से 10 भारतीय मजदूरों को छुड़ाया

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली अधिकारियों ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों की कैद से 10 भारतीय मजदूरों को छुड़ा लिया। सभी को इजराइल लाया गया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, फिलिस्तीनियों ने इन भारतीयों को मजदूरी के काम का झांसा देकर इजराइल से वेस्ट बैंक के अल-जायम गांव में बुलाया था। इसके बाद उन्हें बंधक बनाकर सभी के पासपोर्ट जब्त कर लिए थे। फिलिस्तीनी इन पासपोर्ट का इस्तेमाल कर अवैध रूप से इजराइल में घुसने की कोशिश कर कर रहे थे। इजराइली अधिकारियों ने 6 मार्च की रात वेस्ट बैंक में एक ऑपरेशन चलाकर इन सभी बंधकों को छुड़ाया। इजराइल में भारत के दूतावास ने इसकी जानकारी दी है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। भारतीय दूतावास इजराइली अधिकारियों के संपर्क में हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, पिछले साल से अब तक करीब 16 हजार भारतीय मजदूर इजराइल पहुंचे हैं। मई 2023 में इजराइल और भारत के बीच एक श्रम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते के तहत 42,000 भारतीय मजदूरों को इजराइल में रोजगार दिया जाना था।

सीएम योगी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

⇨ सीएम योगी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की प्रतिमा पर किया मल्यार्पण, , स्मृतियों को किया नमन ⇨ पंडित गोविंद बल्लभ पंत देश के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे- सीएम योगी ⇨ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई- योगी

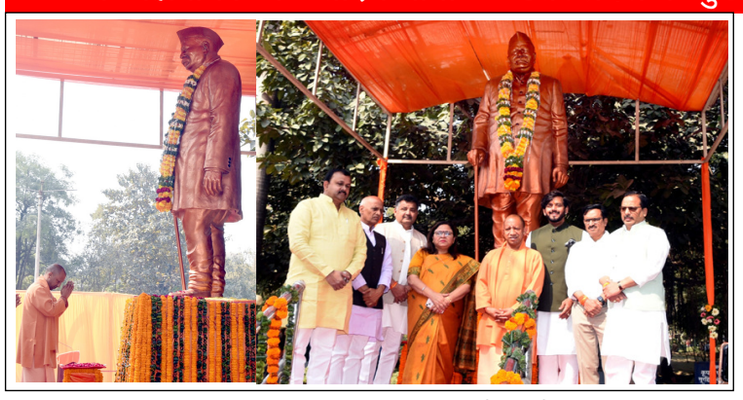

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महान स्वतंत्रता सेनानी और प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, %भारत रत्न% पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत देश के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे, जिन्होंने एक उत्कृष्ट अधिवक्ता, कुशल राजनेता और प्रशासक के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ी। गोरखपुर विश्वविद्यालय के पंत पार्क में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि पंडित पंत संविधान सभा के सम्मानित सदस्य थे और देश की आजादी के बाद 1954 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद वे देश के गृह मंत्री बने और हिंदी को राजभाषा के रूप में स्थापित करने का श्रेय भी इन्हें जाता है, उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 1957 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय की आधारशिला स्वयं पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने रखी थी, उन्होंने 7 मार्च 1961 को अपने नश्वर शरीर को त्यागकर इस दुनिया को अलविदा कहा, आज उनकी पवन पुण्यतिथि के अवसर पर हम उनके स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेशवासियों की तरफ से उनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस अवसर पर सांसद रवि किशन, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्र पाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टण्डन, भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लोगों को न्यूनतम दरों पर दवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से खोले गए हैं जन औषधि केंद्रः सांसद जय प्रकाश रावत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। जन औषधि केंद्र के सातवें स्थापना दिवस के अवसर पर आज जनपद में जन औषधि दिवस मनाया गया । इसी क्रम में आलू थोक, उत्तरी शहर कोतवाली रोड स्थित जन औषधि केंद्र पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए सांसद जय प्रकाश रावत ने बताया कि लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवाएं, शल्य क्रिया में उपयोग होने वाली सामग्रियों व चिकित्सा से सम्बन्धित अन्य वस्तुओं को न्यूनतम दरों पर दवायें मुहैया कराने के उद्देश्य से जन औषधि केंद्र खोले गए हैं । जन औषधि केन्द्रों पर उपलब्ध दवाओं की दर बाजार में उपलब्ध अन्य ब्रांडेड दवाओं की दरों से 50 से 80 फीसद कम है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहताश कुमार ने कहा कि जन औषधि केन्द्रों को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार करें जिससे कि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले पायें । जनपद में जन औषधि परियोजना के प्रभावी किर्यान्वयन के लिए शासन द्वारा निर्गत निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय जन औषधि संरक्षण एवं निगरानी समिति का गठन किया गया है। जन औषधि केन्द्रों पर उपलब्ध दवाओं की सर्वोत्तम गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दवा के प्रत्येक बैच का परिक्षण राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालन प्रत्यायन बोर्ड (एनबीएल) द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में किया जाता है। परियोजना के सफल संचालन के लिये केंद्र सरकार द्वारा फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ़ इंडिया(पीएमबीआई) को अधिकृत किया गया है और राज्य सरकार के स्तर से चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के तहत स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेस(साचीज) को नामित किया गया है। इसी क्रम में सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर कार्यक्रम आयोजित हुए। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जीतेंद्र श्रीवास्तव, औषधि निरीक्षक स्वागतिका घोष, आयुष्मान योजना कार्यक्रम से विवेक मिश्रा मौजूद रहे।

सीता सोरेन पर फायरिंग की कोशिश,पूर्व पीए गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

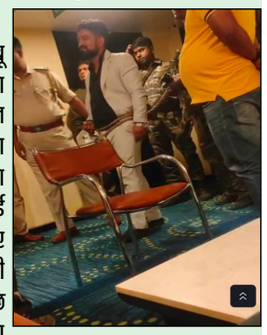

धनबाद। भाजपा नेता और दिशोम गुरू शिबू सोरेन की बहू सीता सोरेन के ऊपर जानलेवा हमला किया गया है. हालांकि हमले में वह बाल बाल बच गईं. उनके पूर्व पीए देवाशीष घोष के द्वारा यह हमला किया गया, घटना सरायढेला थाना क्षेत्र में घटी, वो शादी समारोह में शामिल होने गई थीं, बता दें कि सीता सोरेन पर उनके पूर्व पीए देवाशीष घोष ने पिस्टल से फायरिंग करने की कोशिश की, गनीमत यह रही कि वो ऐसा कुछ कर पाते इससे पहले ही उसे दबोच लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया ।

नौ दिवसीय भागवत कथा सम्पन,विशाल भंडार का अयोजन हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। औरास क्षेत्र के धानमाऊ गाँव में बालाजी धाम पचकारी बाबा में चल रही नौ दिवसीय भागवत कथा आज सम्पन्न हुवि। कथा के अंतिम दिन हवन पूजन और भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। पंडित आचार्य बालानंद जी ब्रम्हाचारी ने अपने मुखर बिंदु से नौ दिवसीय श्रीमत भागवत कथा सुनाई वही हजारों भक्त कथा सुन भक्त भक्ति में लीन रहे। कार्यक्रम में वाशूदेव, श्रीकृष्णा ,राम तिलक समेत तरह तरह की सुंदर झाकिया प्रस्तुत की गई झाकिया देख हजारों भक्त नाचते झूमते नजर आये मुख्य कार्यक्रम अयोजन संचालक पंडित अनिल द्विवेदी ,पंडित आचार्य बालानंद ब्रम्हाचारी जी महाराज समेत हजारो भक्त मौजूद रहे।

बुजुर्ग महिला ने की बेटा-बहू द्वारा जबरन मकान उनके नाम कर देने की शिकायत

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतें सुनी। जनता दरबार में बरवाअड्डा की एक बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त को बताया कि उनके दोनों बेटे और बहुएं जबरन मकान उनके नाम कर देने के लिए दबाव बना रहे हैं। मना करने पर दोनों बेटे और बहुएं उनको विभिन्न तरह से प्रताड़ित करते हैं। महिला ने उपायुक्त से उनकी हरकतों पर अंकुश लगाने और सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई। वहीं एक बुजुर्ग ने उपायुक्त को बताया कि वह कुसुम विहार के एक अपार्टमेंट में काम करते थे। परंतु अपार्टमेंट वालों के आपसी विवाद के कारण उन्हें कई महिनों से भुगतान नहीं किया है। उन्होंने भुगतान करा देने तथा वृद्धा पेंशन दिलाने का अनुरोध किया। जनता दरबार में गैर आबाद जमीन पर अवैध कब्जा करने, अंचल कार्यालय द्वारा म्यूटेशन नहीं करने, काम कराकर मजदूरी नहीं देने, जमीन पर अवैध सड़क निर्माण करने, बीसीसीएल के एरिया नंबर 10 अंतर्गत चल रहे ओपन कास्ट परियोजना में जबरन जमीन पर कब्जा करने, पानी, बिजली की समस्या सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

उन्नाव में होली पर्व को लेकर बैठक, डीएम ने कहा- डीजे बुकिंग की जानकारी थाने में देना अनिवार्य, भड़काऊ गाने बजाने पर रोक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। होली और रमजान को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिला पीस कमेटी की बैठक विकास भवन सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी गौरांग राठी ने की। इसमें पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, धर्मगुरु और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। बता दे कि डीएम ने होली के दौरान जुलूस, मेलों और होलिका दहन स्थलों की व्यवस्था को लेकर कई निर्देश दिए। उन्होंने नगर निकायों को मेला स्थलों पर सफाई, पेयजल और सड़क मरम्मत के काम जल्द पूरे करने को कहा। सुरक्षा को लेकर एसडीएम, सीओ और थाना प्रभारियों को संवेदनशील स्थलों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को होलिका दहन स्थलों के पास बिजली के तारों की जांच और 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। खाद्य सुरक्षा विभाग को मिलावटखोरी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। यातायात सुरक्षा के लिए दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट अनिवार्य किया गया है। एसपी दीपक भूकर ने डीजे संचालकों को निर्धारित ध्वनि मानकों का पालन करने की हिदायत दी। डीजे बुकिंग की जानकारी थाने में देना अनिवार्य होगा। भड़काऊ गाने बजाने पर सख्त कार्रवाई होगी। थाना प्रभारियों को असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। होली जुलूस के रूट तय कर लिए जाएं और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई जाए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने सभी जिला वासियों को होली और रमजान की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व संयम, मानवता, संवेदनशीलता, शालीनता और भाईचारे का प्रतीक हैं। उन्होंने जनता से गंगा-जमुनी तहजीब को बनाए रखने और आपसी एकता की मिसाल पेश करने की अपील की। बैठक में सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा, एडीएम (वि/रा) सुशील कुमार गोंड, एडीएम (न्यायिक) विकास कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, सीओ सदर सोनम सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, समाजसेवी और विभिन्न संगठनों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधायक पंकज गुप्ता द्वारा चलाई जा रही श्रवण कुमार तीर्थ यात्रा लोगों द्वारा किया स्वागत एवं अभिनंदन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। पिछले 5 वर्षों से लगातार उन्नाव सदर के लोकप्रिय विधायक पंकज गुप्ता द्वारा चलाई जा रही श्रवण कुमार तीर्थ यात्रा के अंतर्गत लाखों लोगों ने पहले मथुरा वृंदावन, तत्पश्चात अयोध्या धाम और अभी हाल ही में लगभग 3000 लोगों ने उनके द्वारा चलाई जा रही श्रवण कुमार तीर्थ यात्रा के अंतर्गत महाकुंभ स्नान का सौभाग्य प्राप्त किया एवं उनके द्वारा लंबे समय से गंगा पुल को लेकर किए जा रहे प्रयत्न सफल हुए और विधानसभा में उनके द्वारा रखे गए प्रस्ताव गंगा पुल निर्माण जिसकी सराहना एवं समर्थन के साथ पिछले दो दिन पूर्व गंगा पुल की जगह चिन्हित कर गंगापुल निर्माण का कार्य बहुत जल्द ही प्रारंभ हो जाएगा उनके द्वारा विगत 5 वर्षों से किया जा रहे कार्यों की प्रशंसा में कल एक बहुत ही बड़ी भव्य अभिनंदन सभा का आयोजन शुक्लागंज की जनता द्वारा किया गया ठीक उसी क्रम में आज उन्नाव शहर के पूरा नगर मोहल्ले में स्थित शारदा कुंज रिजॉर्ट के समीप राधेश्याम शुक्ला द्वारा सदर विधायक पंकज गुप्ता जी का सम्मान किया गया कार्यक्रम में उनके साथ सनातन की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने वाले हिंदू जागरण मंच के संस्थापक विमल द्विवेदी भी उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से प्रदीप सिंह,अतुल तिवारी, रामबाबू चौरसिया, सुरेश सिंह, अमित शुक्ला एवं अन्य पूरन नगर एवं लोक नगर वासियों द्वारा उनका माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया है।

किसानों को धान बिक्री करने में न हो कोई कठिनाई : अभिलाषा शर्मा

तीसरा विकल्प न्यूज़ कन्हैया सिंह

जमुई पटना। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में धान अधिप्राप्ति टास्क फोर्स की बैठक हुई। इसमें खरीफ विपणन मौसम 2024-25 में विकेन्द्रीकृत अधिप्राप्ति व्यवस्था अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से धान अधिप्राप्ति में प्रगति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को धान अधिप्राप्ति की प्रक्रिया में तेजी लाने का निदेश दिया। कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस कार्य के लिए शत-प्रतिशत चयनित पैक्सों एवं व्यापार मंडलों को सक्रिय करें। तकनीकी /व्यतिक्रमी एवं वैधानिक कारणों से अक्रियाशील / डिफॉल्टर समितियों को निकटतम समितियों के साथ टैग (सम्बद्ध) करने का प्रस्ताव उपलब्ध कराएं। मिलर के साथ सभी पैक्स को टैग करने के लिए भी प्रस्ताव अविलंब उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि सीएमआर आपूर्ति निर्बाध ढंग से संचालित हो सके। साथ ही क्षेत्र भ्रमण के दौरान भी वे अधिप्राप्ति कार्य की प्रक्रिया एवं गुणवत्ता की समीक्षा करेंगे। हर परिस्थिति में ऑनलाईन चयनित किसानों से ही धान क्रय किया जाए।बिचैलिये या अन्य कोई संगठन से क्रय किये जाने का मामला प्रकाश में आने पर इसे गंभीरता से लिया जाएगा। सभी प्रखण्डों के नोडल पदाधिकारी सरकार के निदेशानुसार सप्ताह में तीन दिन क्षेत्र का भ्रमण कर क्रय केन्द्रों का निरीक्षण करेंगें। वे इस दरम्यान धान बिक्री करने वाले किसानों से साक्षात्कार कर वस्तुस्थिति का सत्यापन कर इस आशय का प्रतिवेदन समर्पित करेगें। जिलाधिकारी ने शत-प्रतिशत चयनित समितियों को अविलंब सक्रिय करने का निर्देश दिया। सभी पैक्सों और मिलों का टैगिंग कार्य शीघ्र करें। क्रय किए गए धान के विरूद्ध किसानों को राशि के भुगतान किए जाने की प्रक्रिया में तेजी लाएं। किसानों के लंबित राशि का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से शीघ्र करें। किसी भी परिस्थिति में किसी भी किसान का भुगतान लंबित न रहे , इसका ख्याल रखना है। सभी अनुमोदित समितियों को सीसी लिमिट उपलब्ध कराकर अविलंब धान क्रय प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें। जिला सहकारिता पदाधिकारी क्षेत्र भ्रमण कर लक्ष्य के अनुसार कार्य कराना सुनिश्चित करें। धान क्रय की रिपोर्टिंग मोबाईल ऐप के माध्यम से प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी से प्राप्त कर समेकित प्रतिवेदन जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा दैनिक रूप से जिला आपूर्ति कार्यालय को उपलब्ध कराना है। सभी प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी चयनित समितियों का पीसीएसएपी पोर्टल पर इन्ट्री सुनिश्चित कराएंगे। डीएम ने सभी संबद्ध पदाधिकारियों को धान अधिप्राप्ति कार्य में सजग और तत्पर रहने का निदेश दिया। जिला सहकारिता पदाधिकारी मो. आकिब समेत अधिकांश नामित ओहदेदार समीक्षा बैठक में उपस्थित थे।

महिलाएं अपनी शक्ति पहचानें, वे अजेय हैंः उपायुक्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। महिलाएं अपनी शक्ति पहचानें। वे अजेय हैं। माता पिता धनी है तो भी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना होगा। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। वे अपने जीवन का निर्णय स्वयं ले सकेगी। उपरोक्त बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सिम्फर) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का समान अवसर मिलना चाहिए। पुरुष और महिला में लैंगिक समानता होनी चाहिए। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है। लाखों महिलाओं ने बुलंदियों को छुआ है। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से सर्वोच्च पद हासिल किया है। परंतु समाज में ऐसी भी महिलाएं हैं जो समानता के लिए संघर्ष कर रही है। महिलाओं को संघर्ष नहीं करना पड़े इसलिए बच्चियों को शिक्षा देना जरूरी है। उन्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी तो अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगी। जब वह कोई मुकाम हासिल कर लेगी तो बाजी पलट सकती है। महिलाएं जिस क्षेत्र में है वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। अपने संबोधन के दौरान उपायुक्त ने कहा कि मेरी माँ मेरे जीवन का सबसे बड़ा और मजबूत स्तंभ है। मेरे पिता मेरी प्रेरणा हैं। उन्होंने सभी महिलाओं को अपनी बच्चियों को अतिरिक्त सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। समारोह को सिम्फर के निदेशक प्रोफेसर अरविंद कुमार मिश्रा, मुख्य वैज्ञानिक डॉ जे.के. पांडेय, डॉ. (श्रीमती) वी. अंगुसेलवी, डॉ. सीमा टोपनो ने भी संबोधित किया। मौके पर डॉ. पल्लवी दास, डॉ. आरती साहू, डॉ. मोनालिसा गंगोपाध्याय, डॉ. मौसमी मल्लिक सहित संस्थान के अन्य महिला एवं पुरुष वैज्ञानिक उपस्थित थे।

पुलिस की लूटेरों से मुठभेड़, बदमाश को लगी गोली अंधेरे का फायदा उठाकर एक बदमाश फरार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। करंडा पुलिस की बीती रात बाइक सवार दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई, जिसमें एक को गोलीबारी में घायल हो गया, जबकि दूसरा बाइक सवार बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। घायल बदमाश के पास से एक देशी कट्टा,315 का, दो खाली कारतूस, एक पल्सर बाइक बरामद हुई। यह मुठभेड़ बीती रात करण्डा थाना क्षेत्र के धरमपुर तिराहे पर भड़सरा चौकी टीम द्वारा चेकिंग की जा रही थी तभी पल्सर बाइक से दो व्यक्ति बिना हेलमेट के बड़सरा की तरफ से चले आ रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों बिना रुके पुलिस टीम पर फायर करते हुए जमानिया की तरफ भागने लगे, चौकी प्रभारी ने तुरंत थानों को सूचित किया। जिसके बाद एलर्ट मोड में आई पुलिस ने दोनों को धरमपुर पुलिया के पास घेरकर रोकने का प्रयास किया गया तो दोनों ने कट्टे से पुलिस पर जान से मारने की नियत से फायर किया। जवाबी कार्यवाही में पुलिस ने भी फायर किया जिसमें एक बदमाश के बाएं पैर में गोली लग गई। जिसे आनन फानन में सीएचसी करंडा भेजा गया जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल बदमाश की पहचान कमलेश उर्फ छांगुर यादव पुत्र उमराव यादव उम्र 39 निवासी बड़ागांव थाना सादात के रूप में हुई। घायल बदमाश पर जमानिया, करीमुद्दीनपुर, खानपुर, सादात थानों में गैंगस्टर सहित करीब दर्जन भर से अधिक मुकदमे दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी करंडा के साथ चौकी प्रभारी बड़सरा की पुलिस टीम मौजूद रही।

निर्मित गुवाहाटी-उत्तरी गुवाहाटी लिंक ब्रिज पर 90 प्रतिशत काम पूरा

➢ 401 खंड पुल को मजबूत और आकर्षक बनाएंगे

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। सबसे बड़ी नदी महाबाहु ब्रह्मपुत्र पर निर्माणाधीन गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी लिंक ब्रिज का काम अब केवल 10 प्रतिशत पूरा होना बाकी है। अब बाकी स्ट्रेच के लिए पुल का निर्माण दिन-रात पूरी रफ्तार से चल रहा है। सभी को उम्मीद है कि अत्याधुनिक तकनीक से बना यह पुल न केवल गुवाहाटी उत्तरी गुवाहाटी बल्कि असम के सभी सामाजिक-आर्थिक, शैक्षिक और पर्यटन क्षेत्रों में भी एक आदर्श बदलाव लाने में सक्षम होगा। इस बीच उत्तरी गुवाहाटी के विभिन्न पार्टी संगठनों की ओर से गुवाहाटी-उत्तरी गुवाहाटी को जोड़ने वाले पुल की लंबे समय से चली आ रही मांग के बाद अब उत्तरी गुवाहाटी के लोगों का सपना साकार होने की कगार पर है। उल्लेखनीय है कि पुल की कुल लंबाई 1600 मीटर होगी, जिसे दक्षिण से उत्तरी तट तक मापा जाएगा, जिसमें से 1240 मीटर को एक अतिरिक्त-अवधि अतिरिक्त-खुराक वाले पुल के रूप में डिजाइन किया जाएगा और लगातार तोरणों के बीच 200 मीटर की व्यक्तिगत लंबाई होगी, जो देश में सबसे लंबा है। 2608 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट के साथ पूरी परियोजना पीडब्ल्यूडी द्वारा शुरू की गई सबसे बड़ी परियोजना है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार अबतक पुल के खंभे का 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। गुवाहाटी नॉर्थ गुवाहाटी ब्रिज जून में पूल पर लगाए जाने वाले खूबसूरत सेगमेंट का काम पूरा होने के बाद तैयार हो जाएगा। 6 खम्बे के 401 खंडों की विपरीत खंडों के 360 सेट पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। शेष 10 प्रतिशत खंड को अत्याधुनिक तकनीकी साधनों से लगाकर पुल तैयार हो जाएगा। लोक निर्माण विभाग के सूत्रों ने बताया कि पुल के पोल का काम मार्च के अंत तक हो जायेगा और खंड का काम पूरा होते ही गुवाहाटी नॉर्थ गुवाहाटी ब्रिज जून में बनकर तैयार हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया को बताया था कि गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी पुल इस साल जून में सार्वजनिक उद्देश्य के लिए खोला जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा की तत्परता से लोगों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान के साथ-साथ आर्थिक नींव को मजबूत करने के उनके प्रयास के कारण लोग उनकी कृतज्ञता स्वीकार करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर गोरखपुर की छात्राओं ने बनाई अनोखी लिपस्टिक गन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गोरखपुर आईटीएम गीडा के द्वितीय वर्ष की दो छात्राओं, इशरत खान और सृष्टि श्रीवास्तव, ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक अनोखी %लिपस्टिक गन% विकसित की है। यह खास डिवाइस छेड़छाड़ या किसी आपात स्थिति में महिला की आवाज पहचानकर पुलिस और परिजनों को तत्काल कॉल व लोकेशन भेज सकती है। छात्रा इशरत खान ने बताया कि देश और दुनिया में महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसक घटनाओं को देखते हुए उन्होंने यह सुरक्षा उपकरण तैयार किया है। यह लिपस्टिक गन मुसीबत के समय न केवल पुलिस और परिवार को सतर्क करेगी, बल्कि आत्मरक्षा के लिए भी मददगार साबित होगी। सृष्टि श्रीवास्तव ने बताया कि यह लिपस्टिक गन देखने में साधारण लिपस्टिक जैसी है, लेकिन इसे जरूरत पड़ने पर गन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें 5 मिमी का बैरल लगाया गया है, जिसमें 4 मिमी की प्लास्टिक और लाल मिर्च से बनी गोलियां भरी जाती हैं। ये बुलेट अपराधी की आंखों में तेज जलन उत्पन्न कर उसे अस्थायी रूप से असहाय बना देंगी, जिससे महिला को मौके से भागने का समय मिल सकेगा। इसके साथ ही, गन की फायरिंग की तेज आवाज से आसपास के लोग सतर्क हो जाएंगे और सहायता के लिए आगे आ सकते हैं। यह लिपस्टिक गन विशेष कार्बन फाइबर से बनाई गई है और इसका वजन मात्र 50 ग्राम है। इसे बनाने में वॉइस मॉड्यूल, 3 वोल्ट बैटरी, मेटल पाइप, पीसीबी बोर्ड, जींस बटन, माइक आदि का इस्तेमाल किया गया है। आईटीएम गिड़ा के निदेशक डॉ. एन. के. सिंह ने इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और यह लिपस्टिक गन महिला सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और इस इनोवेशन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही। यह अनोखा प्रोजेक्ट महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा कदम साबित हो सकता है, जिससे समाज में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने में सहायता मिलेगी।

दबंग भू माफिया के विरुद्ध मुख्यमंत्री ने दिया जांच का आदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के ग्राम जंगल सिकरी निवासी राजेन्द्र यादव की 13 हजार स्कायर फीट जमीन है। उक्त भूमि को जबरन कब्जा करने हेतु मन्दिर के सेवक के नाम पर हौशिला सिंह ने आज अधिकारी को मिला कर जबरन जमीन को 31 लाख में खरीदने की प्लान पर राजेन्द्र यादव को थाने से फर्जी महिला से मुकदमा दर्ज करा दिया। पीडित राजेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री से मिल कर अपनी व अपने पुस्तैनी जमीन की रक्षा हेतु गुहार लगाया है। मुख्यमंत्री ने हौशिला सिंह व मदद करने वाले अधिकारी के विरुद्ध जांच करने का आदेश कर दिए हैं। मालूम हो कि एम्स थाना क्षेत्र के जंगल सिकरी निवासी राजेन्द्र की पुस्तैनी 13 हजार स्कायर फिट जमीन है। जिसको लेने के लिए हौशिला सिंह जो अपने को मन्दिर का सेवक बता कर स्थानीय अधिकारी व थाना को अपने आधिपत्य में करते हुए एक महिला को खड़ा कर फर्जी मुकद ?मा राजेन्द्र यादव का मोबाइल डाल कर दर्ज करा दिया जो सीडीआर और सीसी कैमरे में राजेंद्र अपने घर मौजूद है लेकिन लगातार हौशिला सिंह ने पुलिस अधिकारी के सांठ गांठ से राजेन्द्र को प्रताडित करने लगे । पीडित भू-स्वामी मन्दिर पहुंच कर मुख्यमंत्री से अपनी पीडा सुनाया। पीडीत का पीडा सुन मुख्यमंत्री ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हौशिला सिंह व उसके मदद ?गार अधिकारी की गोपनीय जांच कर कड़ी कार्यवाही करें। बतादें कि अपने दबंगई से करोड़ों की जमीन को मात्र 31 लाख रुपये में खरीदने की नियत बना कर राजेन्द्र यादव को पुलिसिया मिली भगत से प्रताडीत कराने लगे। सूत्रों की माने तो हौशिला सिंह मन्दिर का सेवक नहीं है बल्कि उसे मन्दिर में आने से रोक है। क्यों कि वह सीएम के नाम पर अपना करोबार चलाता और पुलिस विभाग पर अपना मौकाल जमाये रहता है। चुकी मन्दिर का आदमी बताने पर लोग चुप्पी साध ले रहे हैं।

महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आधी आबादी के साथ-स्वस्थ भारत की बात कार्यक्रम आयोजित

➩ डॉ. सूर्यकान्त ने सेहतमंद जीवन के लिए छात्राओं को दिए पांच पी का मूल मंत्र ➩ कालीचरण पीजी कालेज व पीएसआई इंडिया के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को कालीचरण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से फ़आधी आबादी के साथ-स्वस्थ भारत की बातफ़ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ों छात्र-छात्राओं, कालेज स्टाफ को स्वास्थ्य विभाग, केजीएमयू और पीएसआई इंडिया से जु? विशेषज्ञों ने सेहतमंद जीवन के जरूरी टिप्स दिए और उनके लिए संचालित सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए लाभ उठाने की सलाह दी। इस मौके पर रेस्पिरेटरी मेडिसिन डिपार्टमेंट, केजीएमयू के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने छात्राओं को सेहतमंद रहने और मंजिल पाने के लिए जरूरी पांच फ़पीफ़ का मूल मन्त्र दिया। उन्होंने कहा कि पहला 'पी' पोषण है, जो कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। दूसरा 'पी' पैसिव स्मोकिंग (आस-पास धूम्रपान) का सख्ती के साथ विरोध करना क्योंकि उसका धुँआ जितना स्मोकिंग करने वाले को नुकसान पहुंचाता है, उससे कहीं अधिक आस-पास रहने वालों के लिए हानिकारक होता है। इसलिए खुद तो स्मोकिंग से बचें ही साथ ही अन्य को भी इससे रोकें। तीसरा फ़पीफ़ यानि पीरियड (मासिक धर्म) के दौरान सा?-सफाई का पूरा ख्याल रखें। चौथा फ़पीफ़ प्रेग्नेंसी है जो कि हमें सीख देती है कि पूर्ण स्वस्थ महिला ही स्वस्थ शिशु को जन्म दे सकती है, इसलिए स्वस्थ रहना जरूरी है। अंत में पांचवां फ़पीफ़ पैशन से जु? है जो कि जीवन में हर पल तनाव से बचने की सलाह देता है। कालीचरण पीजी कालेज के प्रबन्धक इं. वी. के. मिश्रा ने विद्यार्थियों से विशेषज्ञों की सलाह को जीवन में उतारने की बात कही ताकि मंजिल की राह आसान बन सके। इसके साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों का स्वागत और अभिनन्दन भी किया। इस मौके पर पीएसआई इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश कुमार शर्मा ने कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 2047 में स्वस्थ विकसित भारत का सपना तभी साकार हो सकता है जब हम आज से ही अपनी युवा शक्ति को पूर्ण स्वस्थ बनाने का संकल्प लें। महाप्रबन्धक राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम-राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0 डॉ. मनोज कुमार शुक्ला ने कहा कि मासिक धर्म के बारे में यदि किशोरियों को पहले से जागरूक कर दिया जाए तो उन्हें उस दौरान की पी? और झिझक से आसानी से उबारा जा सकता है। निदेशक, परिवार कल्याण डॉ. संगीता गुप्ता ने किशोर-किशोरियों के लिए संचालित साथिया क्लिनिक, जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आदि के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही इसका लाभ उठाने की सलाह भी दी। वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति वाजपेयी ने कहा कि अब महिला अबला नहीं सबला है और जीवन के हर क्षेत्र में पुरुषों से बराबरी कर रही है। वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. शिखा श्रीवास्तव ने कहा कि पुरुष और महिला एक गा?ी के दो पहिये के समान हैं, इसलिए दोनों स्वस्थ रहकर ही बेहतर समाज और घर-परिवार का निर्माण कर सकते हैं। केजीएमयू की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता देव ने कहा कि जन्म से लेकर अंतिम समय तक महिलाओं को कई तरह के शारीरिक बदलावों से गुजरना प?ता है, इसलिए उनको इस बारे में समय-समय पर जागरूक बनाना हम सभी का कर्तव्य है। मानसिक रूप से छात्राओं का स्वस्थ होना भी बहुत जरूरी है क्योंकि यह समय मासिक धर्म, परीक्षाओं और कैरियर को लेकर तनाव पैदा करने वाला समय होता है। कालेज के प्राचार्य डॉ. चंद्रमोहन उपाध्याय ने उपस्थित सभी लोगों को प्रदेश की राज्यपाल के निर्देशानुसार टीबीमुक्त और नशामुक्त समाज निर्माण की शपथ दिलाई और धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन पीएसआई इंडिया की महाप्रबन्धक मीनाक्षी दीक्षित ने किया। इस मौके पर पीएसआई इंडिया के डिप्टी डायरेक्टर समरेन्द्र बेहरा, जनरल मैनेजर नितिन द्विवेदी, डॉ. संगीता, ईशा सिंह, पारुल, प्रवीण, मनोज, हर्षिता आदि उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नागरिक सुरक्षा की 65 महिला वार्डेन सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर नागरिक सुरक्षा लखनऊ की महिला वार्डेनों का नागरिक सुरक्षा कंट्रोल रूम में भव्य %सम्मान% किया गया। नागरिक सुरक्षा लखनऊ के सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा ने बताया कि सिविल डिफेंस की महिला वार्डेन प्रशासन द्वारा सौंपे गए हर कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में भरपूर सहयोग करती रहती है। इसी के दृष्टिगत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर छत्तर मंजिल स्थित नागरिक सुरक्षा कंट्रोल रूम में %सम्मान समारोह% का आयोजन किया गया। जिसमें लखनऊ नागरिक सुरक्षा की 65 महिला वार्डेनों को उपनियंत्रक अनिता प्रताप ने द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा के द्वारा प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर विशेष कार्यों के लिए रीता सिंह पटेल, ज्योति खरे, स्नेहलता मिश्रा, रानी चौधरी, कु पायल, नेहा सिद्दीकी, शिखा बाजपेई, विमला सिंह, अंजली मिश्रा, राखी बहेलिया, नीतू अवस्थी, को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा व उपनियंत्रक अनिता प्रताप ने इस अवसर पर सभी महिला वार्डेनों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में आप सभी के द्वारा लखनऊ नागरिक सुरक्षा में ऊर्जावान महिलाओं को जोड़ा जाएगा जिससे नागरिक सुरक्षा लखनऊ और मजबूत होगा। डिप्टी चीफ वार्डन गुरप्रीत सिंह सेठी, स्टाफ अफसर ऋतुराज रस्तोगी, सहायक उपनियंत्रक ऋषि कुमार व मुकेश कुमार ने भी अपने अपने विचार रखे। समाज के गरीब,

बेसहारा, लोगों की सेवा लिए समर्पित संस्था श्रीमद् भागवत भक्त सेवा समिति लखनऊ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सुनील कुमार शुक्ला ने भी उपस्थित समस्त कर्मठ महिला वार्डनों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज वर्मा ने किया। सम्मानित होने वाली महिला वार्डन डॉ नूतन श्रीवास्तव, अंजू अवस्थी, सोनी सिंह तोमर, गीता रावत, सुनीता, मुन्नी देवी, सबीना, श्यामा कश्यप, किरण, सबिल, नीरा गर्ग, अंजुली, मीना रस्तोगी, सुखप्रीत, पालकी, आराधना, प्रीति, अलका, कंचन, वंदना त्रिवेदी, शांति, ममता, सुधा टंडन, रमा, शचि सिंह, प्रियंका, इंद्रा, मीनू, बीना, तेजकुमारी, चंद्रा सिंह, मधु, कामिनी, सरोज, अंजू, सीमा आनंद, ऋतु कश्यप, शाजिया, रेनू, स्नेहलता, कोमल कनौजिया, रुकैय्या, सुषमा मौर्य, अलीशा लायल, ज्योति वर्मा, प्रियांशी, आकांक्षा, सुहानी, व ज्योति यादव थी।

झूलेलाल के जयकारों के साथ सजेगा चेट्टी चंद महोत्सव तैयारियां शुरू

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। चेट्टी चंद महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बृहस्पतिवार को चेट्टी चंद मेला कमेटी के पदाधिकारियों ने लालबाग के हरिओम मंदिर में बैठक कर भव्य आयोजन की रूपरेखा तय की। अध्यक्ष रतन मेघानी ने बताया कि 12 मार्च से शुरू होने वाले महोत्सव में 50 हजार से अधिक सिंधी परिवार शामिल होंगे। 30 को झूलेलाल वाटिका में विशेष महाआरती के साथ समापन होगा। बैठक में प्रवक्ता अशोक मोतियानी, महामंत्री संजय जसवानी और कोषाध्यक्ष सतेंद्र भावनानी थे। कार्यक्रम में 23 को शुभम सिटी में झूलेलाल के जयकारे गूंजेंगे। 24 को विकासनगर, अलीगंज, 25 को शिव शांति आश्रम, आलमबाग में आयोजन होगा। 26 को मवैया, 27 को राजाजीपुरम, 28 को कृष्णा नगर, 29 को इंदिरानगर में व 30 मार्च को हरिओम मंदिर में सत्संग और भंडारा होगा।

बैंक कर्मियों के शीर्ष संगठन यूनाइटेड फ़ोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बैनर अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया प्रदर्शन व सभा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। यूनाइटेड फ़ोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बैनर तले देश के सभी बैंकों के अधिकारी एवं कर्मचारी विगत लगभग दो सप्ताह से निरंतर संघर्षरत हैं और आगामी 24 एवं 25 मार्च 2025 को दो दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल भी करने जा रहे हैं। अपने संघर्ष के इसी क्रम में आज सायंकाल 5¬30 बजे से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की कपूरथला, लखनऊ स्थित शाखा के सम्मुख नगर के सभी बैंकों के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विशाल प्रदर्शन और सभा की। ये जानकारी देते हुए फोरम के जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि पूरे देश के बैंक कर्मियों ने अपनी निम्न मांगों को लेकर संघर्ष का बिगुल बजा रखा है। 1. बैंकों के सभी संवर्गों में पर्याप्त भर्ती हो और सभी अस्थायी कर्मचारियों को नियमित किया जाए। 2. बैंकिंग उद्योग में पाँच दिवसीय कार्य सप्ताह का

कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाए। 3. प्रदर्शन समीक्षा और पीएलआई पर डीएफएस के हालिया निर्देशों को तत्काल वापस लिया जाए, जो आजीविका सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और विभाजन व भेदभाव उत्पन्न करते हैं। 4. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की स्वायत्तता की रक्षा की जाए 7 5. अनियंत्रित बैंकिंग, जनता द्वारा हमला/दुर्व्यवहार से बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। 6. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कर्मचारी/अधिकारी निदेशकों के पद तुरंत भरे जाएं। 7. सरकारी कर्मचारियों की तरह बैंक कर्मियों लिए भी ग्रेच्युटी सीमा को बढ़ाकर ?25 लाख किया जाए और आयकर से छूट दी जाए। 8. कर्मचारियों और अधिकारियों को रियायती दरों पर दिए जाने वाले कल्याणकारी लाभों पर आयकर की वसूली न की जाए। 9. आई बी ए के पास लंबित सभी शेष मुद्दों का तत्काल समाधान किया जाए। आज की सभा को संबोधित करते हुए UFBU के राज्य संयोजक वाई के अरोड़ा, AIBEA से एस के संगतानी एवं शकील अहमद, NCBE से राकेश पाण्डेय, तारकेश्वर चौहान एव आकाश शर्मा, AIBOC से लक्ष्मण सिंह एवं मनीष कांत, AIBOA से वी के माथुर, NOBW से प्रभाकर अवस्थी, NOBO से बी डी पाण्डेय, INBOC से संदीप सिंह, INBEF से प्रभाकर कुशवाहा आदि वरिष्ठ बैंक नेताओं ने भारत सरकार एवं आई बी ए को आगाह किया कि वो बैंक कर्मियों की उपरोक्त सभी जायज मांगों को तत्काल पूरा करे। अन्यथा हमारा ये संघर्ष और विस्तृत होता जाएगा और पूरे देश में आगामी 24 एवं 24 मार्च 2025 को दो दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल भी की जाएगी

समाचार

हत्यारोपी को काकोरी पुलिस ने गिरफ्तार किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर दिशा निर्देश द्वारा थाना काकोरी क्षेत्र में अंकित लोधी निवासी बेहटा थाना काकोरी लखनऊ को गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसके संबंध में वादी रामू पुत्र कल्लू म्रतक, के जीजा निवासी अलीनगर सुनहरा थाना कृष्णानगर जनपद लखनऊ द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत किया, पुलिस टीम लगातार आरोपी तलाश जारी थी, मुखबिर की सूचना पर आरोपी के मिलने वाले सम्भावित स्थानों पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया, 1 अखिलेश यादव निवासी दूलागंज थाना काकोरी लखनऊ को गिरफ्तार कर हाथ लगी बड़ी सफलता प्राप्त हुई, जिसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद हुई, इस क्रम (पश्चिम) डीसीपी, द्वारा दिशा निर्देश पर गठित कि कई टीमें लगातार अपराधियों को धरपकड़ कर रही हैं, थाना काकोरी निरीक्षक नवाब अहमद के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है।

महिला से लूट करने वाला लुटेरे को महानगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। थाना महानगर पुलिस को यस कर बाजार के एक राह चलती महिला से अभियुक्त द्वारा मोटरसाइकिल से जाते हुए मोबाइल छीन कर भाग गया, इसके संबंध में थाना महानगर पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया, इस सूचना को तेज तर्रार थाना प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्रा ने संज्ञान में लेते हुए तत्काल पुलिस टीम गठित कर रवाना किया और सख्त निर्देश दिए यह लुटेरे हाथ से जाने ना पाए, मुखबिर की सूचना पर, आरोपी आशीष कुमार द्विवेदी निवासी रिंग रोड पुलिस चौकी के पीछे तापसी बाबा मंदिर न्यू कॉलोनी माधौपुर थाना दुबग्गा जनपद लखनऊ को गिरफ्तार किया, कब्जे से लूट का एक मोबाइल घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद हुई, इस क्रम में डीसीपी दिशा-निर्देश पर पुलिस टीम लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है, जिसमें आज थाना महानगर प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्रा नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई है।

वाहन चोर को सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर द्वारा, राजधानी लखनऊ (दक्षिणी) क्षेत्र में, थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस को वादी शैलेन्द्र सिंह हाल पता चन्द्रा पैनोरमा अपार्टमेंट पी 4 सर्विस फ्लोर अ?सल थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ, अज्ञात चोर द्वारा वादी की मोटरसाइकिल चोरी कर लिए जाने के संबंध में थाना स्थानीय मुकदमा पंजीकृत कराया गया, इस सूचना पर थाना प्रभारी अंजनी कुमार मिश्रा तत्काल संज्ञान में लेते हुए पुलिस टीम गठित कर रवाना किया सख्त निर्देश दिए शातिर चोर हाथ से जाने ना पाए, मुखबिर की सूचना पर, आरोपी आधार सिंह हाल पता हसनपुर खेवली थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ को इस्कान मंदिर के पास तिराहे से गिरफ्तार किया, कब्जे से एक मोटरसाइकिल बरामद हुई, इसी क्रम में (दक्षिणी) डीसीपी, द्वारा दिशा निर्देश पर गठित कि कई टीमें लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना सुशांत गोल्फ सिटी प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार मिश्रा, के नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है।

नाबालिक लड़की से शारिरिक संबंध बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। थाना मड़ियांव पुलिस को आरोपी द्वारा वादिनी की उम्र 16 वर्ष को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया, 1 बनाम आशीष रावत के विरुद्ध अपहृता गुमशुदा पीड़िता अपने अधिवक्ता के साथ थाना उपस्थित के दौरान विवेचना को पीड़िता ने बयान दिया, आशीष कुमार रावत अपने अधिवक्ता के साथ थाना पर मौजूद था, नाम पता पूछने पर अपना नाम आशीष कुमार रावत निवासी बेनीगंज बहादुरपुर कुर्सी रोड थाना गुडम्बा जनपद लखनऊ, पुलिस हिरासत में लिया गया, इसी क्रम में, डीसीपी, दिशा-निर्देश पर गठित की कई टीमें लगातार अपराधियों इसको धर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना मड़ियांव प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है,

जमीन के मात्र चार इंच नीचे बिछाई सीवर लाईन, जमीन से दो फिट उपर बनाए रेडिमेड चैंबर बिना जाम किए छोडे

● लखनऊ नगर निगम ने दो महीने से घरो मे भरे सीवर के गंदे पानी से मशकगंज वालों को यूं दिलाई निजात

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। देढ महीने से एक गली की सीवर लाईन चोक थी, दस घरों मे बैक मारकर सीवर का पानी भरा रहा, कंप्लेन पे कंप्लेन होती रही, समाचारों मे खबरे लगती रहीं, किंतु नगर निगम लखनऊ, सीवेज इंडिया, जल संसथान, स्मार्ट सिटी प्रशासन सोता रहा, तथा एक से दूसरे दूसरे से तीसरे पर समस्या डाल अपनना पल्लू झाडता रहा । एक स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता संजय रस्तोगी की कडी मशक्कत के बाद गली खुदी तो सीवर लाइन जमीन से मात्र चार इंच नीचे ही पडी मिल गयी, खैर सफाई हुई और रेडीमेड चेंबर ऐसे ही रखकर छोड दिए गये । ना तो चैंबर जाम किए, ना गली की जमीन बराबर की गयी, और ना ही खुदी गली बनाई गयी, कल आने को कहकर गये जल संसथान के सीवर कर्मी 15 दिन बीत जाने के बाद भी कहीं नजर नही

आए, स्थानीय निवासी अमित शर्मा तथा रमेश शर्मा के अनुसार पहले सीवर का पानी भरे रहने के कारण घर मे रहना मुश्किल था, अब उंचे उंचे चैंबर तथा खुदी पडी गली के चलते निकलना दूभर हो गया है बच्चे बुजुर्ग चोटिल हो रहे हैं । ये हाल है योगी सरकार मे राजधानी लखनऊ के प्रशासन की कार्यशैली के । नगर निगम प्रशासन तो मानो अंधा और बहरा है, ना तो उसे पुराने लखनऊ मे व्याप्त भीषण गंदगी का सम्राज्य दिखाई पडता है, और ना ही उसे आम जनता की फरियादें सुनाई पडती हैं तथा ना उसे समाचार पत्रो मे प्रकाशित आम जनता की दिक्कतो से संबंधित खबरो से कोई फर्क पडता है । क्यो की कागजो पर तथा स्वच्छता सर्वेक्षण मे तो राजधानी लखनऊ चमक ही रहा है । विज्ञापनो मे सरकार चाहे जो दावे करे किंतु जमीनी हकीकत यही है कि राजधानी लखनऊ मे प्रशासनिक व्यवसथा पंगू बनी हुई है, मंत्री तथा नेता वीवीआईपी क्षेत्र गोमती नगर, हजरतगंज के सिवा कहीं देखते ही नही, परिणाम पुराने लखनऊ के नागरिक राजराज मे नर्कीय जीवन जीने को विवश हैं योगी सरकार के नाकारा प्रवासन की उदासीनता के चलते ।

अवैध जमीनों पर चला नगर निगम का बुलडोजर

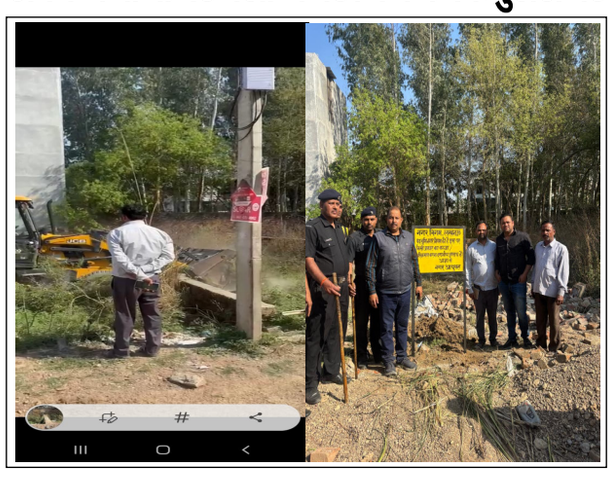

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मण्डलायुक्त वह नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह एव अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के आदेशों को लेकर सरोजिनी नगर के नगर निगम जोन 4 के नायब तहसीलदार नीरज कटियार के टीम द्वारा तहसील सदर व ग्राम निजामपुर पर अवैध रूप से कब्जा कर रहे बिल्डरो पर जेसीबी मशीनों से कई बाउंड्री तोड़ी गई और जमीन खाली कराई गई अतिक्रमण हटाने के समय आए कुछ लोगों से कहा सुनी हुई लेकिन शांतिपूर्वक ढंग से सरकारी जमीन को खाली कराई गई और और लोगों को हिदायत भी दी गई कि अगर दोबारा अगर आप लोगों ने ऐसी गलती की तो आप लोगों के ऊपर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी नायब तहसीलदार नीरज कटिहार ने कहा कि आज खसरा संख्या 191 क्षेत्रफल 0.114 हेक्टर भूमि को जेसीबी चला कर अवैध जमीन को खाली कराई गई और आगे जमीन संबंधित आई हुई शिकायत पर जल्द से जल्द जमीन खाली कराई जाएगी और जरूरत पड़ी तो इन लोगों के ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी

नो प्लास्टिक्स से विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति की ओर महत्वपूर्ण कदम है - प्रोफेसर शिशिर सिन्हा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), लखनऊ के अमौसी स्थित परिसर में ÷एडवांसमेंट इन पेट्रोकेमिकल सेक्टर एंड एम्पावरिंग सस्टेनबल डेवलपमेंट लीडिंग टू विकसित भारत÷ (एपीएम 2025) विषय पर 16वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन दिनांक 08 मार्च से 10 मार्च 2025 तक किया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की पूर्व संध्या पर सिपेट परिसर के सभागार में एक आवश्यक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के मीडिया जगत के प्रतिनिधि, अन्य राष्ट्रीय संस्थानों से आये प्रतिनिधि, सिपेट मुख्यालय एवं विभिन्न सिपेट केन्द्रों से आये हुए केन्द्र प्रमुख एवं प्रतिनिधि तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। प्रोफेसर शिशिर सिन्हा, महानिदेशक सिपेट द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर संचालित सिपेट केन्द्रों की गतिविधियों, पाठ्यक्रम तथा वैश्विक स्तर पर सिपेट के योगदान से रूबरू कराते हुए प्रेस वार्ता का आरंभ किया गया। अपने उद्बोधन में प्रोफेसर शिशिर सिन्हा, महानिदेशक द्वारा मीडिया कर्मियों से बात करते हुए नो प्लास्टिक के अभियान को विश्वव्यापी बनाने का आग्रह करते हुए उत्कृष्ट प्लास्टिक्स प्रबंधन पर जोर दिया तथा इसमें समग्र भागीदारी का आहवान किया। इसके पश्चात् सिपेट लखनऊ में आयोजित होने जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एपीएम 2025) के बारे में जानकारी देते हुए मीडिया जगत को अवगत कराया की यह अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन सिपेट संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन है जोकि वैश्विक स्तर पर पदम भूषण एवं पदम श्री तथा ख्यातिलब्ध शिक्षाविद, विषय विशेषज्ञ, शोधार्थी, उद्यमी एवं युवा शोधविद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करता है जिसमें सम्मेलन की अवधि में पॉलीमर के क्षेत्र में हुई प्रगति, शोध, नवाचार एवं उन्नत तकनीक पर मंथन, प्रस्तुतिकरण उपरांत एक निचोड़ तैयार होता है, जो देश में समग्र विकास में पॉलीमर सेक्टर के योगदान की कार्ययोजना का सशक्त आधार बनता है। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए प्रोफेसर शिशिर सिन्हा द्वारा बताया गया कि इस आयोजन में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों जैसे कि आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम, सीएसआईआर, डीआरडीओ और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (यू.एस.ए.) यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचेवान (कनाडा), टीसाइड यूनिवर्सिटी (यू.के.) के साथ-साथ राज्य में स्थित विभिन्न विश्वविधालय, देश के विभिन्न राज्यों में स्थित सिपेट केन्दों से लगभग 100 विषय विशेषज्ञ एवं 200 से अधिक शोधार्थी सीओ 2 न्यूनीकरण, नैनोटेक्नालॉजी एकीकरण, बॉयो आधारित पॉलीमर, पूर्नचक्रण तकनीक, एडिटिव मैन्यूफैकचरिंग तकनीक आदि जैसे विषयों पर अपने व्याख्यान, शोधपत्र एवं पोस्टर प्रस्तुतिकरण करेंगे। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एपीएम 2025) में उद्यमी सम्मेलन, भूतपूर्व छात्र मिलन, तकनीकी प्रतियोगिता जैसे नवीन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। साथ ही उक्त आयोजन में सिपेट एवं गतिशक्तिविश्वविद्यालय, बडोदरा, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज एवं डॉ शकुन्तला मिश्राराष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किया जायेंगें।

16वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 8 से 10 मार्च तक किया जाएगा आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर में अमौसी स्थित केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) में 16वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 8 से 10 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर शुक्रवार को प्रेस वार्ता की गई। जिसमें सिपेट के महानिदेशक प्रोफेसर शिशिर सिन्हा ने बताया कि सम्मेलन में भारत से आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम, सीएसआईआर और डीआरडीओ के प्रतिनिधि और विदेशी संस्थानों में अमेरिका की मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचेवान और यूके की टीसाइड यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ आएंगे। सम्मेलन में 100 विषय विशेषज्ञ और 200 से अधिक शोधार्थी अपने शोध प्रस्तुत करेंगे। सीओ2 न्यूनीकरण, नैनोटेक्नालॉजी एकीकरण और बायो आधारित पॉलीमर पर विचार-विमर्श होगा। साथ ही पूर्ण चक्रण तकनीक और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग पर शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में उद्यमी सम्मेलन, भूतपूर्व छात्र मिलन और तकनीकी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। प्रदेश के स्कूली छात्रों को प्लास्टिक प्रबंधन और नवाचार के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस दौरान सिपेट तीन प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता करेगा। इनमें गतिशक्ति विश्वविद्यालय, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय शामिल हैं। आईआईएम अहमदाबाद के प्रतिनिधि निशांत जोशी के सुझाव पर सिपेट के महानिदेशक ने सहमति जताई। उन्होंने कहा सम्मेलन को केवल पॉलीमर और पेट्रोरसायन क्षेत्र तक सीमित नहीं रखा जाएगा। इससे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी भाग लेने का अवसर मिलेगा।

संपादकीय

जेबों की सर्जरी

यह खबर परेशान करती है कि देश के करोड़ों मरीज पहुंच से बाहर के महंगे इलाज के कारण गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। वे कथित रुप से दूसरे भगवान कहे जाने वाले शख्स के आगे बेबस नजर आते हैं। खासकर बड़े आप्रेशनों व उपकरणों से लेकर महंगी दवाओं को लेकर। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने मरीजों की दुखती रग को समझते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से निजी अस्पतालों में मरीजों का शोषण रोकने के लिये नीतिगत फैसला लेने को कहा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि देशवासियों को चिकित्सा का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना राज्यों का कर्तव्य है। निर्विवाद रूप से राज्य सरकारें ऐसा करने में विफल रही हैं। इसके बावजूद कि उन्होंने बड़े अस्पतालों को जमीन आदि तमाम सुविधाएं रियायती दरों पर दी हैं। ऐसे में वे गरीब मरीजों को राहतकारी इलाज देने के लिये बड़े अस्पतालों को बाध्य कर सकती थीं। वैसे चुनावों के दौरान तमाम तरह के सब्जबाग दिखाने वाले राजनीतिक दलों के एजेंडे में चिकित्सा सुविधा सुलभ कभी प्राथमिकता नहीं रही। यदि सार्वजनिक चिकित्सा का बेहतर ढांचा उपलब्ध होता तो लोग निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर न होते। यदि निगरानी तंत्र मजबूत होता और प्रभावी कानून होते तो मरीजों को दोहन का शिकार न होना पड़ता। यदि मरीजों से निजी अस्पतालों में मनमानी रकम वसूली जाती है तो यह राज्य सरकारों की छवि पर आंच है कि वे मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि मरीजों को उचित मूल्य वाली दवाइयां न मिल पाना राज्य सरकारों की नाकामी को ही दर्शाता है। इतना ही नहीं राज्य सरकारें निजी अस्पतालों को न केवल सुविधाएं प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें प्रोत्साहन भी देती हैं। सरकारों का यह दावा अतार्किक है कि मरीजों के तिमारदारों के लिये निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोरों से दवा खरीदने की बाध्यता नहीं है। दरअसल, अस्पताल की फॅर्मेसी या खास मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदना तिमारदारों की मजबूरी बन जाती है। उन्हें खास ब्रांड की दवा व उपकरण खरीदने के निर्देश होते हैं। दरअसल, खुले बाजार में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर आशंका होती है। असल में, यह नीति-नियंताओं की जवाबदेही है कि वे मरीजों और उनके परिवारों को शोषण से बचाने के लिये दिशा-निर्देश तैयार करें। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं है क्योंकि विभिन्न हितधारकों के दबाव अकसर सामने आते हैं। जैसा कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब उसने डॉक्टरों से कहा था कि वे ब्रांडेड दवाएं न लिखें। उसके स्थान पर जेनेरिक दवाएं लिखें, ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा बिरादरी ने तब दबाव बनाते हुए कहा था कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जिसके बाद यह आदेश जल्दी ही वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा ब्रांडेड दवाओं के निर्माताओं ने भी दबाव बनाया था, जो कि जन-कल्याण के बजाय बड़े पैमाने पर मुनाफे को प्राथमिकता देते रहते हैं। वैसे निजी अस्पतालों द्वारा दवाओं के जरिये पैसा कमाने की वजह यह भी है कि सरकारी जन-औषधि केंद्रों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। ये केंद्र, जिनकी देश में संख्या पंद्रह हजार के करीब है, देश के सभी जिलों को कवर करते हैं। ये केंद्र नागरिकों को सस्ती कीमत पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिये बनाये गए थे। लेकिन, ये केंद्र दवाओं की कमी,गुणवत्ता के नियंत्रण के अभाव और ब्रांडेड दवाओं की अनधिकृत बिक्री की समस्याओं से ग्रसित रहे हैं। निश्चित रूप से औषधि विनियामक प्रणाली में सुधार करने से तमाम असहाय रोगियों की परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है। एक रिपोर्ट बताती है कि सरकारी अस्पतालों की तुलना में निजी अस्पतालों का खर्च सात गुना होता है। खासकर कोरोना काल के बाद चिकित्सा खर्च में खासी बढ़ोतरी हुई है। निस्संदेह, राज्य सरकारों को इस मुद्दे पर व्यापक दृष्टिकोण से विचार कर उचित गाइडलाइंस बनानी चाहिए। निजी अस्पतालों व मरीजों के हितों के मद्देनजर राज्य सरकारों के संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

इतिहास के छिलके

करीब 300 साल पुराना इतिहास आज प्रासंगिक कैसे हो सकता है? यदि इतिहास प्रासंगिक नहीं है, तो तत्कालीन बादशाहों, आक्रांताओं, तानाशाहों की चर्चा भी क्यों की जाए? आज हम एक स्वतंत्र, लोकतांत्रिक और संप्रभु राष्ट्र के नागरिक हैं, तो उस अतीत की चर्चा भी क्यों की जाए, जिसका इतिहास दुराग्रह और झूठ की सोच से लिखा गया हो? भारत की विडंबना यह है कि यहां की लोकतांत्रिक राजनीति लगभग दोफाड़ है। एक तरफ भाजपा और उसके सहयोगी दल तथा दूसरी तरफ भाजपा-विरोधी जमात। ऐसी स्थिति में बाबर, अकबर, औरंगजेब सरीखे मुगल बादशाह भी उस सियासत के कथित आदर्श हैं, जो वैचारिक तौर पर भाजपा-विरोधी है। हालांकि समकालीन इतिहास, घटनाक्रम और जनमत से स्पष्ट है कि बहुधा मुसलमान इन बादशाहों को न तो अपना आदर्श मानते हैं और न ही इनके नाम पर वोट देते हैं। अलबत्ता औरंगजेब की समर्थक एक जमात हमारे देश में सक्रिय भी है और वह पढ़ी-लिखी, जागरूक जमात है, लेकिन क्या करें, वह दक्षिणपंथी राजनीति की घोर विरोधी है, लिहाजा औरंगजेब भी उसे प्रिय लगता है। फिलहाल प्रसंग महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं विधायक अबु आजमी का है। उन्होंने औरंगजेब को उदार और महान बादशाह माना है। संविधान में दिए गए 'अभिव्यक्ति की आजादी' के मौलिक अधिकार को न तो कवच बनाया जाए और न ही उसकी गलत व्याख्या स्वीकार्य है। चूंकि अबु आजमी को सदन से निलंबित करने का आग्रह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का था और लगभग पूरा सदन समर्थन में था, बेशक कांग्रेसी चेहरे खामोश थे, लिहाजा आजमी को पूरे बजट सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया। शिवसेना के उद्धव ठाकरे ने तो अबु आजमी की सदस्यता स्थायी रूप से खत्म करने की मांग की है। उद्धव और सपा तो विपक्षी गठबंधन के साथी हैं। यह कैसा गठबंधन है! बहरहाल विधानसभा स्पीकर के विशेषाधिकार पर संवैधानिक प्रावधान भी हैं और सर्वोच्च अदालत के फैसले भी हैं कि यदि किसी सदस्य ने सदन के बाहर कुछ आपत्तिजनक बयान दिया है अथवा गतिविधि की है, तो उसे निलंबित नहीं किया जा सकता। निर्वाचित सदस्य का सदन में उपस्थित रहना उसका भी विशेषाधिकार है, लेकिन हमारे विश्लेषण का विषय यह नहीं है। चूंकि सपा नेता ने जिस तरह औरंगजेब का महिमामंडन किया है, वह महाराष्ट्र से निकल कर उप्र, बिहार और देश के अन्य हिस्सों का भी मुद्दा बन गया है, लिहाजा हमारे लिए भी यह सवालिया है कि औरंगजेब को उदार और महान बादशाह किस आधार पर माना जाए? अबु भाजपाधर्मी राजनीति के घोर विरोधी नेता माने जाते हैं। क्या इसी आधार पर किसी बादशाह को उदारवादी, मानवीय, मंदिर-निर्माता आंका जा सकता है? औरंगजेब ने अपने पिता बादशाह शाहजहां को आगरा किले में कैद करवा दिया था और उन्हें बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा दिया था। शाहजहां ने अपनी आत्मकथा में लिखा था कि हे खुदा! ऐसा कमबख्त बेटा किसी घर में पैदा न करना।'' यही नहीं, औरंगजेब ने अपने सगे भाई दारा शिकोह को पिंजरे में कैद कर दिल्ली के चांदनी चौक में घुमाया था। उसके अत्याचारों की दास्तान लंबी है। महिमामंडन ठीक नहीं।

अर्थव्यवस्था की चाह बनाम चुनावी दबाव

> “ जिस समय शेयर बाजार गोते लगा रहा हो और निवेशकों के लाखों करोड़ देखते-देखते स्वाहा हो रहे हों, जब डालर के खिलाफ रुपए की गिरावट रोकने के लिए सरकार मुश्किल से काम आए लाखों-करोड़ों डालर बाजार में उतारे और वे भी गिरावट को न रोककर खुद स्वाहा हो जाएं ”

अरविन्द मोहन

जिस समय शेयर बाजार गोते लगा रहा हो और निवेशकों के लाखों करोड़ देखते-देखते स्वाहा हो रहे हों, जब डालर के खिलाफ रुपए की गिरावट रोकने के लिए सरकार मुश्किल से काम आए लाखों-करोड़ों डालर बाजार में उतारे और वे भी गिरावट को न रोककर खुद स्वाहा हो जाएं और जब सोना देखते-देखते नब्बे हजार प्रति दस ग्राम को छूता नजर आए तब यह कहना बहुत जोखिम और दिलेरी का काम है कि हमारी अर्थव्यवस्था काफी समय बाद मजबूती के लक्षण दिखा रही है और उसके बुनियादी पैमाने ऊपर की दिशा का ही रुख बनाए हुए हैं। और जब मोदी राज में आर्थिक प्रबंधन के हिसाब से केन्द्रीय भूमिका वाले शक्तिकान्त दास को रिजर्व बैंक के गवर्नर पद से सेवानिवृत्त होने के बाद प्रधानमंत्री का दूसरा प्रधान सचिव बनाने जैसा अपूर्व काम हुआ हो तब यह कहना भी मुश्किल है कि सरकार को आर्थिक मोर्चे की भारी हलचलों की परवाह नहीं है। शक्तिकान्त दास कोई बहुत भारी अर्थशास्त्री न हों और न ही उन्होंने सरकार में वित्त सचिव या रिजर्व बैंक का गवर्नर रहते कोई बहुत क्रांतिकारी कदम उठाया हो लेकिन इतना तो उनके पक्ष में जाता है कि मोदी सरकार के बुनियादी स्वभाव से उनका मेल है और उन्होंने अपनी प्रशासनिक जिम्मेवारियां उसी हिसाब से निभाई हैं। मोदीजी के नोटबंदी

जैसे मुश्किल और गलत फैसले के बीच अर्थव्यवस्था और मुद्रा व्यवस्था को संभालना कोई आसान काम न था। जिस हिसाब से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने ऊटपटांग आर्थिक फैसलों से दुनिया भर में हड़कंप मचाए हुए हैं उसके बीच अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के कोंपलों को संभालना और इसे एक स्वाभाविक विकास की तरफ ले जाना कोविड की तालाबंदी और नोटबंदी को संभालने से भी ज्यादा मुश्किल है। जब वैश्विक उथल-पुथल हो और बड़े जतन से बने विश्व व्यापार संगठन वाली व्यवस्थाओं को भी बेमानी बनाने का अभियान अमेरिकी राष्ट्रपति चलाएं तब निवेशकों और पूंजी का डर जाना बहुत स्वाभाविक है। बाइडन राज में अमेरिकी बांड और बैंकों की रकम पर कमाई का भरोसा बढ़ने से भी भारत समेत दुनिया भर के बाजारों से पूंजी अमेरिका गई थी। फिर चीन ने अपने निवेश नियम आसान किए और करों की छूट शुरू की तो उसने भी बड़े पैमाने पर पूंजी आकर्षित की। अब ट्रम्प द्वारा आयात पर कर बढ़ाने और कई देशों को सीधे धमकाने से बाजार में बेचैनी है। जाहिर तौर पर ऐसे वक्त निवेशक के लिए शेयर बाजार की अनिश्चितता से हटकर डालर, अमेरिकी सरकारी बांड और सोने में पैसा लगाना ज्यादा भरोसे का सौदा है। इसलिए बाजार में गिरावट के साथ डालर की महंगाई और सोने की बेतहाशा मांग बढ़ी है। वैश्वीकरण के युग में हम, खासकर बाजार इससे अछूते नहीं रह सकते। जनवरी का विदेश व्यापार का आंकड़ा भी बताता है कि सिर्फ चालू घाटे के मामले में ही नहीं आइटम के हिसाब से भी हमारा विदेश व्यापार बेहतर हुआ है। वैश्विक स्तर पर सोने की मांग बढ़ने के के बावजूद सोना-प्रेमी भारत में आयात नहीं बढ़ा है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वैश्विक तेजी के बावजूद हमारे आयात बिल में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई है और तेल उत्पादों तथा गहनों के अलावा बाकी चीजों के निर्यात में तेजी दिखी है। महंगाई का सामान्य ग्राफ काफी समय से नियंत्रण में रहने के बाद सरकार और रिजर्व बैंक को यह भरोसा हुआ है कि लंबे समय बाद पहली बार बैंक दरों में पचीस प्वाइंट की कमी की गई। इससे लोन आसान होगा और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। इस तेजी का इंतजार बाकी सभी क्षेत्रों में है और सरकार अलोकप्रियता या स्थिति हाथ से निकलने के डर से कई चीजों को रोके हुए है और अब अर्थव्यवस्था में मांग कम होने, ऋण मांगने वालों में कमी आने जैसे लक्षण भी दिखने लगे थे। इधर बेरोजगारी के मामले में भी बेहतर आंकड़े देखने में आए हैं। जिस एक चीज से आर्थिक जानकार सबसे ज्यादा आश्वस्त हुए हैं वह है खेती के नतीजे। खरीफ की फसल अच्छी होने के बाद अब रबी के भी रिकार्ड पैदावार की उम्मीद की जा रही है। इन्हीं सबका नतीजा है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में विकास दर आधे फीसदी से ज्यादा ऊपर दिखाई देने लगा है जबकि दूसरी तिमाही में यह बहुत कम था। इस संकेत से यह उम्मीद मजबूत हुई है कि दुनिया में चाहे जो उठापटक चले भारत के आर्थिक विकास पर ज्यादा असर नहीं होगा। बुरा हो या अच्छा, पर अभी तक जीडीपी में विदेश व्यापार का हिस्सा ज्यादा बड़ा न होने से भी हम सुरक्षित हैं और यह बात बाहर की दुनिया को कुछ देर से मालूम हुई हो लेकिन सरकारी तंत्र को सिंगनल पहले से मिल रहे होंगे। यह बात हमारा बजट भी बताता है। हमारा राजकोषीय घाटा पहली बार साढ़े चार फीसदी के नीचे आया और हर बार टैक्स कलेक्शन का रिकार्ड बनना बताता है कि अर्थव्यवस्था का नान-फार्मल से फार्मल होने का अभियान चलाने के साथ ही वांछित दिशा में भी प्रगति हो रही है।

यह वांछित दिशा क्या हो इस पर बहस हो सकती है लेकिन सरकार अपने अभियान में, जो काफी हद तक भूमंडलीकरण के अभियान से संचालित था या वोट पाने की हल्की राजनीति से, सफल रही है। आज नए सिरे से रेवड़ी बनाम अच्छा आर्थिक प्रशासन का मुद्दा उठाने लगा है पर बहस सही दिशा में नहीं चली है। संयोग से बजट ही इस विरोधाभास को सबसे अच्छी तरह बता भी देता है। इस बार के बजट का सबसे चर्चित फैसला आयकर की सीमा को बारह लाख करना था। यह काम पिछले बजट में नहीं किया गया जबकि वह लोक सभा चुनाव के पहले का आखिरी बजट था।

राजद्रोह की धारा या सत्तापक्ष का हथियार

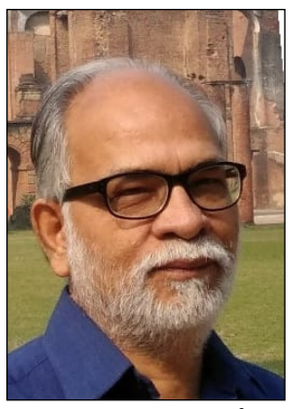

आलेख - राजेंद्र शर्मा

इसे भाजपा की धुलाई मशीन का करिश्मा कहना, शायद इसमें निहित हमारी संवैधानिक व्यवस्था के क्षय को कम कर के आंकना होगा। इससे पता चलता है कि नरेंद्र मोदी के राज में राजद्रोह जैसे गंभीर और पटेल नेता के रूप में उभरे, हार्दिक पटेल और जवाहर नेहरू विश्वविद्यालय की कन्हैया कुमार की समकालीन छात्र नेता, शहला राशिद के वर्षों बाद, राजद्रोह की धाराओं के आरोपों से मुक्त किए जाने की बात कर रहे हैं। इसी 1 मार्च को दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत ने दिल्ली पुलिस के इसकी अर्जी को स्वीकार कर लिया कि वह 2019 के राजद्रोह के केस में, शहला राशिद के खिलाफ मुकद्मा वापस लेना चाहती है। इसके अगले ही रोज, अहमदाबाद की अदालत ने हार्दिक पटेल के खिलाफ भी राजद्रोह का मामला वापस लेने की इजाजत दे दी। दुर्भाग्य से अनेक वर्षों तक इन युवा नेताओं के गले का फंदा बने रहने बाद भी, अब राजद्रोह के केस से इन दोनों की ही मुक्ति का दूर-दूर तक कोई संबंध, पुलिस समेत शासन तंत्र को इसका एहसास होने से नहीं है कि इनके मामले में राजद्रोह की धाराओं के प्रयोग का कोई आधार नहीं था, कि इन मामलों में आरोपियों के साथ ज्यादती हुई थी, आदि। दूर-दूर तक ऐसा कुछ भी नहीं होने का पता इस मोटे से सच से लग जाता है कि कमोबेश ऐसे ही प्रसंग में राजद्रोह की धाराओं में मामले का निशाना बने, जेएनयू के ही छात्र नेता उमर खालिद तथा दिल्ली के दंगे के तथाकथित वृहत्तर षडयंत्र के मामले के अन्य आरोपियों तथा भीमा-कोरेगांव मामले के आरोपियों के मामले में तो, इतने वर्ष बाद भी शासन को इस तरह का कोई %चेत% नहीं आया है। उल्टे उमर खालिद तो करीब पांच साल से जेल में ही बंद है और उसे जमानत मिलने के अब भी कोई आसार नजर नहीं आते हैं। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि शहला राशिद और हार्दिक पटेल, दोनों के राजद्रोह के आरोपों से मुक्त किए जाने का सीधा संबंध, उन पर आरोप लगाए जाने के बाद गुजरे इन कई वर्षों में, उनके अपना राजनीतिक रुख बदलकर, नरेंद्र मोदी निजाम का मुखर समर्थक बन जाने से है। हार्दिक पटेल तो इस दौरान भाजपा में शामिल होकर, उसके टिकट पर चुनाव लड़कर विधानसभा में भी पहुंच चुके हैं, जबकि शहला राशिद भी कश्मीर की राजनीति में सक्रिय, भाजपा और मोदी समर्थक माने जाने वाले एक ग्रुप के साथ जुड़ी हुई हैं। इस तरह, इन दोनों के नाम अब ऐसे लोगों की लंबी सूची में जुड़ गए हैं, जो पहले भाजपा और मोदी राज के विरोधी रहे थे और तब वर्तमान शासन की विभिन्न एजेंसियां उनके पीछे लगा दी गयी थीं। लेकिन, बाद में जब उन्होंने अपने राजनीतिक विचार बदलकर भाजपा तथा मोदी राज का समर्थन करना शुरू कर दिया, इनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई भी बंद कर दी गयी। प्रसंगवश याद दिला दें कि इंडियन एक्सप्रेस की एक चर्चित खोजी रिपोर्ट में ऐसे पूरे 25 पूर्व-विपक्षी नेताओं के मामलों की जांच-पड़ताल की गयी थी, जिनके खिलाफ 2014 में मोदी निजाम के आने के बाद से भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाकर सीबीआई, ईडी तथा आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों से जांच शुरू करायी गयी थी, बहुप्रचारित पूछताछ

से लेकर कुछ मामले में गिरफ्तारी तक की कार्रवाइयां भी की गयी थीं। लेकिन बाद में इन नेताओं के राजनीतिक रूप से पल्टी मारकर सत्तापक्ष के साथ जा मिलने के बाद, कम से कम 23 मामलों में उन्हें केंद्रीय एजेंसियों के शिकंजे से राहत मिल गयी। इस सूची में 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा मिले, असम के हिमंता बिस्वशर्मा ; 2020 में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए बंगाल के सुवेंदु अधिकारी ; 2019 में तेलुगू देशम् पार्टी छोड़कर आंध्र प्रदेश में भाजपा में शामिल हुए सीएम रमेश ; 2019 में ही सपा को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए संजय सेठ से लेकर, 2023 में एनसीपी में विभाजन कर, भाजपा के साथ गठजोड़ में जा बैठे अजित पवार और 2024 में ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा मिले, नवीन जिंदल तक के नाम शामिल हैं। याद रहे कि यह सूची राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की ही है। राज्य स्तर पर तथा उससे भी नीचे, केंद्रीय एजेसियों के दबाव के जरिए, इस तरह दल-बदलकर भाजपा और मोदी राज के पाले में जाने के लिए मजबूर किए गए राजनीतिक नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की संख्या और कई गुना बड़ी होगी। इनमें 2015 से लेकर हाल में 2024 तक के मामलों का शामिल होना इसे रेखांकित करता है कि यह एक लगातार जारी प्रक्रिया का या कहना चाहिए कि स्थायी व्यवस्था का मामला है, जिसमें केंद्रीय एजेंसियों की जांच और उनके आरोपों के डंडे से हांककर, विरोधियों को सत्ता के पाले में धकेला जा रहा है। फिर भी, राजद्रोह या यूएपीए जैसी धाराओं के आरोपियों का भी इस सूची में शामिल हो जाना, इस भयावह परिदृश्य को और भी भयानक बना देता है। कहने की जरूरत नहीं है कि ये अति-दमनकारी धाराएं, दुर्लभतम मामलों में और बिल्कुल अकाट्य मामलों में ही उपयोग किए जाने का तकाजा करती हैं। वास्तव में राजद्रोह की धारा को तो औपनिवेशिक दौर का अवशेष मानते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने उसके उपयोग पर रोक ही लगा दी थी। लेकिन, इस अति-दमनकारी व्यवस्था के अपने अतिरिक्त प्रेम के चलते, मोदी सरकार ने अपने नये फौजदारी कानूनों में नये नाम से इस धारा को न सिर्फ पुनर्जीवित कर दिया है, बल्कि उसका दायरा फैलाकर, उसे और घातक भी बना दिया है। हार्दिक पटेल और शहला राशिद का प्रकरण यह दिखाता है कि मोदी राज में ऐसे कानूनों की भी शक्तियों का किस तरह अंधाधुंध और सत्ताधारियों के क्षुद्र तथा हल्के स्वार्थों के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। आपराधिक कानूनों के इस्तेमाल की ऐसी ही मनमानी का एक और रूप, दंगों समेत विभिन्न अपराधों के सत्तापक्ष समर्थक आरोपियों के मामलों का वापस लिया जाना है। भाजपायी राज्य सरकारें नियमित रूप से ऐसा करती आयी हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि यह मौजूदा शासन के समर्थकों और कृपापात्रों के कानून के शिकंजे से सुरक्षित ही बनाए रखे जाने के ऊपर से है। इस सिलसिले में एक आंखें खोलने वाला मामला यति नरसिम्हानंद का है, जिसके मुस्लिमविरोधी बोलों के खिलाफ तो भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन इन मुस्लिमविरोधी बोलों को बेनकाब करने के लिए, जाने-माने फैक्टचेकर, जुबैर के खिलाफ नरसिम्हानंद की मानहानि करने के केस में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पिछले करीब साल भर से सुनवाई चल ही रही है। फिर भी हार्दिक, शहला प्रकरण वर्तमान शासन की इस गिरावट के और नयी नीचाइयां नापने को ही दिखाता है। लेकिन दुर्भाग्य से मौजूदा राज में कानून व व्यवस्था के तंत्र की इस खतरनाक गिरावट की चुनौती को स्वीकार करने के लिए विपक्ष, तैयार नजर नहीं आता है।

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा तथा उसके गठजोड़ को लगे तगड़े धक्के के बाद से, संघ-भाजपा ने कम से कम मनोवैज्ञानिक स्तर पर, अपनी खोयी जमीन का काफी हिस्सा दोबारा हासिल कर लिया है। बेशक, पहले हरियाणा, फिर महाराष्ट्र तथा अब दिल्ली के विधानसभाई चुनाव में भाजपा की जीत ने उसके हौसले बुलंद किए हैं। लेकिन, इससे ज्यादा उसके हौसले बुलंद किए हैं, लोकसभा चुनाव के बाद से उत्तरोत्तर गिरते गए विपक्षी एकता के ग्राफ ने। अगर हरियाणा के चुनाव में आम आदमी के सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने के रूप में विपक्ष का बिखराव दिखाई दिया था, तो दिल्ली के चुनाव में तो आप पार्टी और कांग्रेस में, एक-दूसरे को भाजपा जैसा साबित करने की होड़ लगी हुई थी। इतना ही नहीं, चुनाव के नतीजे आने के बाद भी, जो साफ तौर पर दिखाते हैं कि अगर विपक्ष ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा होता, तो भाजपा को दिल्ली में सत्ता से दूर रखा जा सकता था, कांग्रेस और आप के बीच युद्ध धीमा पड़ने का नाम नहीं ले रहा है। उल्टे इस युद्ध का आप-शासित पंजाब तक विस्तार करने की कोशिशें हो रही हैं। इसी बीच, बिहार तथा असम के आने वाले विधानसभाई चुनावों के संदर्भ में कांग्रेस के अनेक औपचारिक-अनौपचारिक %सलाहकारों% ने %एकला चलो% की और केरल के लिए बेरोक-टोक युद्ध की पुकारें शुरू कर दी हैं। यह वह ढलान है, जिसे अगर पलटा नहीं गया, तो संघ-भाजपा को और मजबूती से पांव जमाने का मौका मिल जाएगा। बेशक, विपक्षी पार्टियों की अपने विस्तार की आकांक्षाओं को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है, लेकिन इन आकांक्षाओं को संघ-भाजपा के खतरे की वृहत्तर सच्चाई की पहचान से अनुशासित होना ही होगा। और जहां अपरिहार्य हो, आपस में होड़ करते हुए भी विपक्षी पार्टियों को, राजनीतिक विरोधियों को राजद्रोह तक के आरोपों से प्रताड़ित करने वाले इस संघ-भाजपा राज के ही सबसे बड़ी चुनौती होने को याद रखना होगा। अलग-अलग सभी विपक्षी पार्टियों का भी इसी में हित है। विभाजित विपक्ष, लोकसभा चुनाव की कामयाबी का हाथ से रेत की तरह झर जाना ही सुनिश्चित करेगा।

असह्य हो चला है भारत का अपमान

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनकर आये डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले भारत के लिये हानिकारक तो हैं ही, अपमानजनक भी हैं। यह ऐसे वक्त में हो रहा है जब ट्रम्प ने दुनिया भर के खिलाफ ट्रेड वार की शुरुआत कर दी है। कारोबारी पृष्ठभूमि से आये ट्रम्प की दिलचस्पी व्यवसायों के बूते दुनिया पर राज करने में है। वे जानते हैं अब विश्व विजेता सैन्य शक्ति के बल पर सम्भव नहीं, न परम्परागत साम्राज्यवादी तरीके से दुनिया मुट्ठी में की जा सकती है। उनके इन खतरनाक विचारों को दुनिया समझ चुकी है।

कुछ देश नयी परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिये खुद को तैयार कर रहे हैं। चीन जैसा देश तो न केवल व्यवसाय के स्तर पर बल्कि जरूरत पड़ी तो उससे युद्ध के मैदान में भी दो-दो हाथ करने की तैयारी कर रहा है। बहुत छोटे-छोटे देश भी अपनी सम्प्रभुता व प्रतिष्ठा को बचाने के लिये कृतसंकल्पित हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न तो खुद के सम्मान की चिंता है और न ही देश की प्रतिष्ठा की। इससे उत्साहित ट्रम्प हर रोज भारत का अपमान कर रहे हैं। अमेरिकी इरादों से निपटने की यहां कोई तैयारी नहीं दिखती। शुरुआत करें तो ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह से। अमेरिकी राष्ट्रपति के वर्ष 2020 के चुनाव में पद की गरिमा और अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकोल को ताक पर रखकर मोदी ने अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान उनके पक्ष में यह कहकर प्रचार किया था कि श्अब की बार ट्रम्प सरकारश। उसी ट्रम्प ने 2024 का चुनाव जीतने के बाद जब पद सम्हाला तो मोदी को आमंत्रित तक नहीं किया। भारत के दुश्मन देश चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग बुलाये गये, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर गये और यहां तक कि भारत के सर्वाधिक अमीरों में से एक मुकेश अंबानी सपत्नीक आमंत्रित थे। जयशंकर कई दिनों तक मोदी के लिये आमंत्रण पाने की आस व जुगाड़ में वाशिंगटन डीसी में बैठे रहे फिर भी उन्हें नहीं बुलाया गया। तो भी मोदी ने उन्हें बधाइयां देने के लिये उद्देश्यहीन यात्रा की। ट्रम्प ने द्वीपक्षीय अनुबन्ध के नाम पर अमेरिका से पुराने व पॉयलेटों के लिये खतरनाक हो चुके एफ-35 लड़ाकू विमान तथा महंगी दरों पर प्राकृतिक गैस व तेल खरीदी के लिये उनके दस्तखत ले लिये। इतना ही नहीं, उनके पहुंचने के पहले से लेकर ट्रम्प भारत की आयात-निर्यात नीति की लगातार आलोचना यह कहकर कर रहे थे कि भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जिसका शुल्क सबसे ज्यादा है जिसके चलते भारत के साथ व्यापार मुश्किल है।

उन्होंने मोदी की उपस्थिति में साफ कर दिया कि वे रेसिप्रोकल नीति अपनाएंगे। यानी भारत अमेरिकी वस्तुओं पर जितना शुल्क लगायेगा, उतना ही अमेरिका भी भारतीय वस्तुओं पर लगायेगा। इसके विपरीत अब ट्रम्प ने ऐलान कर दिया है कि वे विदेशी वस्तुओं पर 100 फीसदी शुल्क लगाएंगे, जिनमें भारत भी शामिल है। ट्रम्प की इस दादागिरी का जवाब देते हुए चीन ने भी बराबरी का शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है जबकि भारत इसका जवाब कैसे देगा, यह अब तक स्पष्ट नहीं। व्यवसायिक हलकों में कहा जा रहा है कि इससे भारत के आयात-निर्यात को बड़ा झटका लग सकता है। अपमान की अगली श्रृंखला में ट्रम्प ने कई देशों के अवैध प्रवासियों को वापस भेजने का बीड़ा उठाया। वे उनके बारे में खराब शब्दों का प्रयोग तक करते रहे हैं। कई देशों के लोगों को उन्होंने वापस भेजा लेकिन कोलंबिया, मैक्सिको आदि देशों ने अपने नागरिकों की सम्मानजनक वापसी कराई जबकि भारतीयों को हथकड़ी-जंजीरों में बांधकर भेजा गया। ट्रम्प को इसमें इसलिये कठिनाई नहीं आई क्योंकि स्वयं भारत सरकार ने उसके इस कार्य को जायज ठहराया। ट्रम्प व उनके खास दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी एलन मस्क हर रोज दुनिया भर से अमेरिका आये अवैध प्रवासियों को गालियां देते हैं लेकिन सिर्फ भारतीयों को बेड़ियों में भेजते हैं क्योंकि बाकी देश और उनका नेतृत्व अपने नागरिकों के साथ खड़ा रहता है। वैसे ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू को बुलाया गया जिसने अपने साथियों के साथ जयशंकर की उपस्थिति में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाये व उसका झंडा फहराया। उनकी बढ़ती हिम्मत का ही परिणाम है कि गुरुवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान जब जयशंकर लंदन के चौथम हाउस से निकले तो इन्हीं खालिस्तानियों ने उनके सामने तिरंगा फाड़ा तथा खालिस्तानी नारे लगाये।

इस बात को यदि भारत की ओर से पहले ही अमेरिकी प्रशासन के सामने उठाया जाता तो अलगाववादियों के हौसले दुनिया के किसी भी हिस्से में इतने बुलन्द न हुए होते। यह सारा कुछ उस समय हो रहा है जब मोदी खुद के गले में विश्वगुरु का तमगा लटकाये घूमते हैं और हर विदेशी राष्ट्राध्यक्ष से जबरन गले लिपटकर अपने भक्तों के आगे दुनिया के सबसे ताकतवर नेता की छवि गढ़ते रहते हैं। वैसे अब ट्रम्प भी मोदी की महत्वाकांक्षा, फितरत तथा खोखलेपन को जान चुके हैं और शायद उन्हें यह संदेश देना चाहते हैं कि दुनिया में रहेगा तो एक ही विश्वगुरु- अमेरिका! मोदी बेशक अपना जितना चाहे अपमान करायें लेकिन भारत कभी इतना कमजोर नहीं रहा है। आजादी के तुरन्त बाद जब भारत की राजदूत से कहा गया कि श्जो अमेरिका के साथ नहीं वह उसका दुश्मन है, तब जीर्ण-शीर्ण भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें तत्काल वापस बुला लिया था। दोनों बड़ी महाशक्तियों- अमेरिका व तत्कालीन सोवियत संघ को नकार कर भारत के नेतृत्व में निर्गुट सवा सौ देशों का संगठन बनाया गया। अमेरिकी गेहूं न खाना पड़े इसलिये पूरा भारत सोमवार की शाम को चूल्हा नहीं जलाता था। 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध को रूकवाने के लिये अमेरिका को सातवां नहीं सत्तरवां बेड़ा भेजने के लिये ललकारने वाला यही देश था तथा इसी अमेरिका की धमकियों से डरे बिना दो बार परमाणु परीक्षण देखने वाली पीढ़ी अब भी जिंदा है। अमेरिका द्वारा सुपर कम्प्यूटर देने से इंकार करने पर जिस देश ने खुद का उपकरण तैयार कर लिया उसका आज असहनीय अपमान हो रहा है।

सरोज इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट आहिमामऊ लखनऊ के 18 छात्र-छात्राओं का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोज इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लखनऊ में बुधवार को स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड (जमशेदपुर बंगाल और गुजरात) में छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ।यह कंपनी स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स लिमिटेड दुनिया की सबसे लोकप्रिय कंज्यूमर साइक्लिकल कंपनियों में से एक है। कंपनी के एचआर डिप्टी मैनेजर शिवेंद्र सिंह ने कहा है कि स्टील स्ट्रिप्स व्हील्स लिमिटेड एक भारत-आधारित कंपनी है, जो ऑटोमोटिव वाहनों में उपयोग किए जाने वाले स्टील व्हील रिम्स और एलॉय व्हील रिम्स के निर्माण के व्यवसाय में लगी हुई है। कंपनी के उत्पादों में स्टील व्हील और एलॉय व्हील शामिल हैं। स्टील व्हील श्रेणी के अंतर्गत इसके उत्पादों में ट्यूबलेस, मल्टी-पीस, हाई वेंट व्हील, सेमी-फुल फेस और वेट-ऑप्टिमाइज्ड (फ्लो फ़ॉर्म) शामिल हैं। कंपनी मुख्य रूप से भारत में काम करती है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसकी उपस्थिति है। कंपनी के पास दप्पर (पंजाब), ओरागदम (तमिलनाडु), जमशेदपुर (झारखंड), मेहसाणा (गुजरात) और सरायकेला (झारखंड) में विनिर्माण सुविधाएँ हैं।शिवेंद्र ने बताया है संस्थान के 26 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. जिसमें करीब 18 छात्र-छात्राओं का सेलेक्शन साक्षात्कार के माध्यम से हमने किया है। संस्थान के प्रधानाचार्य रोहित सिंह ने बताया कि कंपनी ने मुख्य रूप से डिप्लोमा वाले छात्र - छात्रों आवश्यकतानुसार चयनित किया. इसके लिए हमने बहुत ज्यादा तैयारी नहीं की थी, क्योंकि हमारे पास समय बहुत कम था. कम समय में जितनी कोशिश हो पाई उतनी हमने की। रोहित सिंह ने मीडिया के माध्यम से छात्र-छात्राओं को यही सूचना देना चाहता हूं कि सरोज इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट संस्था से जो भी स्टूडेंट पढ़कर निकलते हैं, वह अच्छी जगह ही जाते हैं. ऐसे में थोड़ी सी मेहनत की जरूरत होती है. प्लेसमेंट के लिए जब भी कोई कंपनी आए, तो उसमें जरूर भाग लें. जिस तरह से आप परीक्षा में बैठते हैं. उसी तरह से आप प्लेसमेंट परीक्षा में भी बैठें. ये स्टूडेंट्स हुए चयनित -विकास मौर्य विपिन वर्मा, सत्यम कुमार, अनुराग अवस्थी, आशुतोष कुमार वर्मा, मयंक वर्मा ,अमरेश कुमार, शिवम यादव, शिवम राठौड़, प्राची श्रीवास्तव, ज्योति, नीरज सिंह बोरा, सचिन यादव, विकास पटेल, अभिषेक कुमार, शशिकांत कुमार ,संदीप सैनी, विनय कुमार का सेलेक्शन हुआ. चयनित छात्रों को सरोज इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लखनऊ के चेयरमैन श्री सुनील सिंह ने बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

उन्नाव में बेसन का सैंपल लेने पर खाद्य विभाग से विवाद, उन्नाव में व्यापारियों ने कलेक्ट्रेट पर किया हंगामा, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र में खाद्य विभाग की टीम और व्यापारियों के बीच विवाद बढ़ गया है। किला चौकी क्षेत्र में याकूब की दुकान पर सैंपल लेने गई खाद्य विभाग की टीम को व्यापारियों ने विरोध किया। इस दौरान व्यापारी ने बेसन का सैंपल बॉक्स छीनकर फेंक दिया। व्यापारियों का कहना है कि खाद्य विभाग की टीम मनमानी कर रही है और विभागीय अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उनका आरोप है कि टीम झूठे आरोप लगाकर व्यापारियों की छवि खराब कर रही है। इसके बाद व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल डीएम कार्यालय पहुंचा और सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने सैंपलिंग टीम के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि यदि अनियमितता पाई जाती है, तो कार्रवाई की जाए, लेकिन बेवजह परेशान न किया जाए। बता दें कि खाद्य विभाग की टीम का कहना है कि सैंपल लेते समय व्यापारी ने अभद्रता की और टीम को दुकान से बाहर कर दिया। टीम ने इस घटना के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। खाद्य विभाग की टीम का कहना है कि सैंपल लेते समय व्यापारी ने अभद्रता की और टीम को दुकान से बाहर कर दिया। टीम ने इस घटना के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। खाद्य विभाग का कहना है कि सैंपलिंग का काम नियमों के तहत किया जा रहा था और इस प्रकार की घटनाएं उनके काम में बाधा डालने की कोशिश है। पुलिस दोनों पक्षों के आरोपों की जांच कर रही है और प्रशासन व्यापारियों के ज्ञापन पर विचार कर रहा है। यदि अवैध वसूली या अभद्रता की पुष्टि होती है, तो उचित कार्रवाई की जाएगी। व्यापारी संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं की जाती है, तो वे आंदोलन करेंगे।

जनता के हित में शिफ्ट किया जा रहा है रजिस्ट्री ऑफिस, इसमें बहस का कोई मुद्दा नहीं :बोकारो डीसी

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बोकारो /धनबाद। सब रजिस्ट्रार के कार्यालय को एसडीएम कार्यालय में शिफ्ट करने के मामले में डीसी विजया जाधव ने कहा है कि यह कोई मुद्दा ही नहीं है, वरीय अधिकारियों के संज्ञान में जनता की सुविधाओं को ख्याल में रखकर ही ऑफिस शिफ्ट किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि इसको लेकर किसी से कोई बहस नहीं हुई है, पुराना भवन है जर्जर और असुरक्षितडीसी ने कहा कि पहले का भवन काफी पुराना है साथ ही जर्जर भी हो गया है, उस भवन में मौजूद एसडीओ ऑफिस को आईटीआई मोड़ के निकट स्थित नए भवन में शिफ्ट किया जा चुका है, सिर्फ सब रजिस्टार का ऑफिस संचालित हो रहा है. सब रजिस्ट्रार ऑफिस में काफी महत्वपूर्ण दस्तावेज होते हैं, उसकी सुरक्षा के साथ-साथ आने जाने वालों की सुविधा भी आवश्यक है, ग्राउंड फ्लोर पर है ऑफिस नए भवन के ग्राउंड फ्लोर पर ही ऑफिस को शिफ्ट किया जा रहा है , उन्होंने कहा कि पूर्व के ऑफिस से नया ऑफिस मात्र 200 मीटर की दूरी पर है, इस स्थिति में किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए , उन्होंने किसी से किसी भी प्रकार की नोंकझोंक या बहस से साफ इनकार किया है, डीसी ने कहा कि 10 मार्च से नए भवन में रजिस्ट्री होगी, बोकारो डीसी विजया जाधव ने बताया कि 10 मार्च से एसडीओ के ग्राउंड फ्लोर में सब रजिस्ट्रार का कार्यालय संचालित किया जाएगा, 10 मार्च से रजिस्ट्री आदि का काम शुरू होगा, बुधवार को बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने विधानसभा में बोकारो डीसी द्वारा असभ्यता से बात करने का मामला उठाया और लिखित शिकायत की है. चंदनकियारी के विधायक उमाकांत रजक ने भी डीसी की शिकायत की, इसके पूर्व धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने भी लोकसभा में डीसी की शिकायत की थी । बोकारो डीसी विजया जाधव ने किया दो पदाधिकारियों को शो-कॉज, 24 घंटे के भीतर जवाब देने का निर्देश।

नालियों का मलवा रोड के दोनों तरफ पड़ा होने से लोगों के लिए बन रहा मुसीबत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर ब्लॉक स्थित भटगांव के मजरा रसूलपुर में गलियां बीते लंबे समय से गंदगी से पटी पड़ी हैं। यहां करीब चार दिन पहले गली नंबर-2 में सैद अली के घर से नरेश के घर तक गली के दोनों तरफ नालियों की सफाई की गई थी। तब सफाई कर्मी ने दोनों तरफ की नालियों का मलबा निकाल कर सड़क पर डाल दिया था। लेकिन उसके बाद अब तक उसे नहीं हटाया गया। जिससे लोगों को आने जाने में दिक्कत हो रही है। वहीं चार पहिया वाहन निकलने पर उसके पहियों से पूरा मलबा बिखर कर इधर-उधर फैल रहा है। जिससे यहां भयानक दुर्गंध होती रहती है। इसको लेकर लोग काफी परेशान हैं। इस संबंध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विपिन कुमार पीनू का कहना है कि गांव में सिर्फ एक सफाई कर्मी की तैनाती है। जबकि पांच मजरे हैं। सभी जगह अकेले सफाई कर्मी द्वारा ही सफाई की जाती है। प्रधान प्रतिनिधि पीनू का कहना है कि स्थानीय लोगों को भी ध्यान देना चाहिए। अगर सफाई कर्मी ने नाली से मलबा निकाल कर सूखने के लिये डाल दिया है, तो सूखने के बाद स्थानी लोगों को भी उसे उठाकर मिट्टी भराई के लिए कहीं ना कहीं इस्तेमाल कर लेना चाहिए। साथ ही लोगों को चाहिए कि वह अपने घरों के सामने स्वयं सफाई करते रहें, तो गंदगी नहीं फैलेगी और ना ही नालियों में मलबा भरेगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी बढ़ाने की आवश्यकता है। इसको लेकर संबंधित अधिकारियों से शिकायत भी की जा चुकी है। उधर सरोजनी नगर बीडीओ शैलेंद्र प्रकाश ने बताया कि सफाई कर्मियों की कमी के कारण कुछ दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने बताया कि गीला कचरा नालियों से निकाल कर दो-चार दिन सूखने के लिए डाल दिया जाता है। उसके बाद सूखने पर सफाई कर्मी उसे उठाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यहां सड़क पर चार दिन पहले निकाला गया मलबा पड़ा है, तो उसको जल्द ही सफाई कर्मियों के माध्यम से हटवा दिया जाएगा।

वक्फ को बर्बाद करने वाला बिल है इसको वापस लेना होगा,मौलाना कल्बे जवाद

● वक्फ एमेंडमेंट बिल के खिलाफ मौलाना कल्बे जवाद का फूटा गुस्सा ● यह वक्फ बिल नहीं सांप का बिल है

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। शुक्रवार को जुम्मे की नमाज़ के बाद मौलाना कल्बे जवाद का बयान वक्फ एमेंडमेंट बिल के खिलाफ एक कड़ी प्रतिक्रिया है। उन्होंने इस बिल को ÷वक्फ खत्म करने वाला÷ और ÷वक्फ की बर्बादी÷ बताया, जबकि उनका आरोप है कि डीएम और कमिश्नर वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग कर रहे हैं, जैसे शाही शिफखाना और अन्य वक्फ संपत्तियों की बिक्री। उन्होंने इस मामले की जांच के लिए रिटायर जज की नियुक्ति की मांग की है। मौलाना ने सरकार पर यह आरोप भी लगाया कि वह अपने अधिकारियों पर भरोसा नहीं करती, लेकिन फिर भी उन अधिकारियों के हाथ में महत्वपूर्ण वक्फ संपत्तियां दे रही है। इसके साथ ही, उन्होंने यह सवाल उठाया कि क्यों मंदिरों के लिए सरकारी जमीन पर बने मंदिरों के बारे में कोई सवाल नहीं उठाया जाता, जबकि मस्जिदों के खिलाफ विशेष शर्तें लागू की जा रही हैं। वह यह भी मानते हैं कि यह बिल इजरायल की पॉलिसी के समान है, और इसके पारित होने के लिए नीतीश कुमार और नायडू की ÷गद्दारी÷ जिम्मेदार हो सकती है। इसके अलावा, उन्होंने मुस्लिम समुदाय के नेताओं से इस बिल के खिलाफ एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन करने की अपील की है।

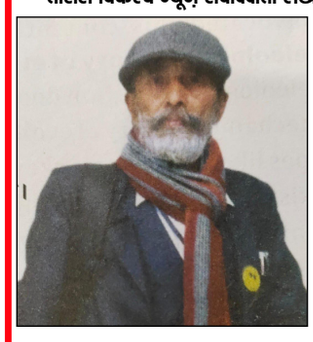

डॉ.चावरे का योगदान न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण था,बल्कि वे समाजसेवी भी थे

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। डॉ.प्रभाकर राव चावरे के मानव विकास पर किए गए महत्वपूर्ण शोध और उनके दृष्टिकोण की गहरी समझ प्रदान करता है। डॉ. चावरे ने चार्ल्स डार्विन के विकासवाद सिद्धांत को चुनौती देते हुए एक नया और अभिनव सिद्धांत प्रस्तुत किया, जिसे %ऑटो जेनेटिक थ्योरी ऑफ इवोल्यूशन% कहा जाता है। उनके अनुसार, मानव और अन्य जीवों की उत्पत्ति स्वाभाविक रूप से उचित वातावरण और भोजन चक्र के अनुसार हुई, न कि वानरों से विकास के द्वारा। उन्होंने इस सिद्धांत को अपनी पुस्तक ﬖसाइंस फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंगﬖ में प्रस्तुत किया, जो 21वीं सदी का एक महत्वपूर्ण योगदान माना गया।इस सिद्धांत के अनुसार, सभी जीव स्वतः उत्पन्न होते हैं, और मानव का भी विकास अनुकूल परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से हुआ था। यह उनके शोध का मूल विचार था, जो %वानर से मानव का विकास% की धारणा का विरोध करता है। डॉ. चावरे ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर वानर से मानव का विकास हुआ होता, तो आज हम वानर या चिंपांजी को विलुप्त होते हुए देखते, लेकिन वे आज भी अस्तित्व में हैं। डॉ.चावरे का योगदान न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण था, बल्कि वे समाजसेवी भी थे। उन्होंने अपने शोध के साथ-साथ जरूरतमंद युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक संस्था भी स्थापित की। उनके योगदान को देखते हुए, अचलपुर के निवासियों ने उनके सम्मान में 10 अगस्त को %विश्व ह्यूमन डे% के रूप में मनाने का प्रस्ताव किया है और उन्हें ﬖफादर ऑफ ह्यूमनﬖ के रूप में मान्यता देने की बात की है। डॉ. चावरे का जीवन और कार्य हमें यह सिखाता है कि विज्ञान में नए दृष्टिकोणों को अपनाना आवश्यक है और समाज में सेवा कार्यों के माध्यम से बदलाव लाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उनके शोध और समाजसेवा के कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे।

महिलाओं के उत्थान, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए भाजपा सरकार निरन्तर प्रतिबद्धः बृजेश पाठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित ﬖमहिला सम्मेलन एवं महिला सम्मान समारोहﬖ कार्यक्रम को संबोधित कर नारी शक्ति को सम्मानित किया । डिप्टी सीएम ने कहा ꞉ ﬖयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाःﬖ नारी शक्ति का सम्मान हमारी संस्कृति है इसी विचारधारा को हमारी सरकार ने आत्मसात किया है, महिलाओं के उत्थान, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए भाजपा सरकार निरंतर प्रतिबद्धता से कार्यरत है। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष, भाजपा,लखनऊ आनंद द्विवेदी, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया जी, नगर अध्यक्ष सीता नेगी,रमा सिंह,अर्चना साहू ,उर्मिला मिश्रा, जया शुक्ला,सुधीर हलवासिया, घनश्याम अग्रवाल एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिलाओं को सशक्त बनाए जाने हेतु पैनल चर्चा का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व-संध्या पर परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश के वाहन परीक्षण एवं प्रमाणीकरण केंद्र, ट्रांसपोर्ट नगर, लखनऊ में एम. वी. डब्ल्यू. समिति के द्वारा सुरक्षित सड़कों के लिए महिलाओं को सशक्त बनाए जाने हेतु एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। यह चर्चा सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को उजागर करने के लिए आयोजित की गई। पैनल चर्चा की संचालिका सुश्री तृप्ति सिंह ने अपने परिचयात्मक भाषण में कहा कि मौजूदा भारत में कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहाँ पर महिलाओं की उपस्थिति न हो। किंतु सड़क सुरक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें महिलाओं की भागीदारी बहुत ही सीमित है। यदि महिलाएं इसमें रुचि लें तो यह उनके लिए भी महत्वपूर्ण योगदान का क्षेत्र बन सकता है, क्योंकि वाहन चालक या तो खुद वहां चालक या हर पुरुष वाहन चालक की माँ, बहन, पत्नी, पुत्री इत्यादि होती हैं। पैनल चर्चा के मुख्य अतिथि संजय कुमार तिवारी, संभागीय परिवहन अधिकारी, लखनऊ थे जो कि किसी परिस्थिति के कारण आयोजन में उपस्थित नहीं हो पाए। उनके अतिरिक्त पैनल चर्चा में पी. के. सिंह (उप-संभागीय परिवहन अधिकारी - प्रशासन, लखनऊ), प्रशांत वर्मा (संबंधित निरीक्षक - यातायात), आभा (यात्री/मालिक अधिकारी, लखनऊ) , सुश्री नेहा त्रिपाठी (एसीपी) लखनऊ इत्यादि मौजूद रहे। मंच का संचालन एम. वी. डब्ल्यू. समिति की प्रशासक सुश्री तृप्ति सिंह ने किया। पैनल चर्चा में उपस्थित गणमान्य प्रतिनिधियों ने सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किए गए सराहनीय प्रयासों से अवगत कराया और उन्होंने महिलाओं को सड़क सुरक्षा में सुझाव दिए और इस क्षेत्र में नेतृत्व एवं जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि महिलाएं न केवल सुरक्षित यातायात व्यवस्था को प्रोत्साहित कर सकती हैं, बल्कि समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी प्रमुख भूमिका निभाती हैं। चर्चा में यह भी बताया गया कि महिलाएं किस प्रकार बच्चों और परिवार को सुरक्षित यातायात के बारे में शिक्षित करती हैं। इस दौरान पैनल चर्चा में पी.के. सिंह (एआरटीओ), सुश्री नेहा त्रिपाठी(एसीपी), श्रीमती प्रियंका शुक्ला (अधिवक्ता), डॉ. श्रेया मैसी (वरिष्ठ चिकित्सक) सुश्री चारु खन्ना (सीए), सुश्री दर्कशन कादिर (मीडिया), मीरा कार्की (एनजीओ), एवं इसके साथ सेंट्रल अकादमी स्कूल के टीचर एवं आमजनता, स्वतंत्र पत्रकार, छात्र, इत्यादि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इसके अलावा आयोजन में यश राज इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेश ने भी अपनी उपस्थिति दी। उन्हें आवश्यक तकनीकी जानकारी दी गई तथा यह सुनिश्चित किया गया कि आपके वाहन का रखरखाव सामाजिक दृष्टि से क्यों महत्वपूर्ण है, ताकि समाज और पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। सभी लोगों को वाहन निरीक्षण और नियमों के बारे में जानकारी प्रदान की गई एवं उसका अवलोकन कराया गया। पैनल चर्चा के समापन पर एम. वी. डब्ल्यू. समिति की प्रशासक सुश्री तृप्ति सिंह ने सभी गणमान्य प्रतिनिधियों को अपना अमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद दिया और एक-एक पौधा देकर सम्मानित किया।

त्योहारों को लेकर बिजनौर थाने पर संभ्रांत व्यक्तियों और धर्म गुरुओं के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल के निर्देशन में शुक्रवार को बिजनौर थाने पर संभ्रांत व्यक्तियों और धर्म गुरुओं के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। आगामी होली और रमजान त्यौहार को लेकर आयोजित इस बैठक में बिजनौर प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राणा ने लोगों से इस दौरान आपसी शौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी लोग किसी अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान ना दें। कहा कि अगर कहीं से भी कोई किसी प्रकार की सूचना मिलती है, तो उससे पुलिस को पहले अवगत कराया जाय। पुलिस आपकी हर संभव मदद करेगी। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ने मौजूद लोगों की समस्याएं सुनकर उनके निपटारे का आश्वासन भी दिया। उन्होंने त्योहारों पर सहयोग बनाए रखने की अपील भी की। उन्होंने मौजूद लोगों से कहा कि अपने सगे संबंधी व रिश्तेदारों को त्योहारों पर शराब पीने से रोकें। कहा कि अगर शराब पीकर किसी प्रकार का किसी ने कोई हुड़दंग किया तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। इसलिए शराब से दूर रहकर खुशी और उल्लास के साथ अपने अपने त्यौहार मनाएं। अंत में प्रभारी निरीक्षक ने मौजूद लोगों को उनके त्योहारों की शुभकामनाएं भी दी।

हार्टफुलनेस रिलैक्सेशन, मेडिटेशन पर हुआ विशेष सत्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे साप्ताहिक फिटनेस कार्यक्रम के पांचवे दिन नवयुग कन्या महाविद्यालय एवं भारतीय खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में हार्टफुलनेस रिलैक्सेशन, मेडिटेशन और ब्राइटर माइंड विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर प्रकाश पांडेय (ब्राइटर माइंड कोच) रहे। उन्होंने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि ध्यान और मानसिक अनुशासन के माध्यम से व्यक्ति अपने बौद्धिक विकास को गति दे सकता है। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. विशाल वर्मा (हार्टफुलनेस जोनल कोऑर्डिनेटर, ब्राइट माइंड) दीपांशु सिंह (योगा ट्रेनर) रजनीश कुमार (योगा विशेषज्ञ),हार्टफुलनेस ट्रेनर शालिनी मल्होत्रा, ब्राइटर माइंड के विद्यार्थी पूजा एवं अद्विका ने अपने विचार साझा किए और छात्रों को मानसिक सशक्तिकरण के लाभों से अवगत कराया।

महिला विधेयक आने के बाद संसद में घटती महिला भागीदारी- मुहम्मद साजिद

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवसः महिला सशक्तिकरण केवल कागजों तक सीमित

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को दुनिया भर में महिलाओं के अधिकारों, समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। यह दिन समाज में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ-साथ उनके अधिकारों और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता फैलाने का भी अवसर है। 19वीं और 20वीं शताब्दी में महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और मतदान का अधिकार नहीं था। 1908 में न्यूयॉर्क की कपड़ा मिल की महिलाओं ने बेहतर वेतन और काम करने की स्थिति के लिए हड़ताल की। जिसके चलते पहली आधिकारिक मान्यता 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल ने इसे महिला दिवस के रूप में मान्यता दी थी। 1977 में संयुक्त राष्ट्र ने इसे आधिकारिक रूप से अपनाया और इसे महिलाओं के अधिकारों के लिए एक वैश्विक आंदोलन बना दिया। भारत की आधी आबादी मानी जानी वाली महिलाओं के लिए यह दिन बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ज्ञातव हो कि वर्ष 2023 में 128वां संविधान संशोधन विधेयक (महिला आरक्षण विधेयक) पारित हुआ, तो इसे

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की ऐतिहासिक पहल माना गया, लेकिन 2024 के आम चुनावों के बाद संसद में महिलाओं की संख्या घट गई। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या महिला सशक्तिकरण केवल कागजों तक सीमित है? देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग 50 फीसद है, लेकिन राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी आबादी के लिहाज से बेहद कम है। 2019 के लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 78 (14.39 फीसद) थी, जबकि 2024 के बाद यह संख्या घट कर 74 हो गई है। महिला विधेयक लाने के बावजूद अगर संसद में महिलाओं की संख्या घट रही है, तो निश्चिंत तौर पर यह गंभीर चिंता का विषय है। महिला सशक्तिकरण सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और समाज की मानसिकता बदलने से आएगा। इसके लिए जरूरी है कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के उत्थान पर चर्चा हो। छत्तीसगढ़ विधानसभा में सबसे अधिक महिला विधायक देश के किसी भी राज्य की विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 20 फीसद से अधिक नहीं है। हालांकि, इसमें छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक 18 फीसद महिला विधायक हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश में मात्र एक महिला विधायक है जबकि मिज़ोरम में एक भी महिला विधायक नहीं है। 2029 से महिला आरक्षण विधेयक प्रभावी वर्ष 2029 के चुनावों से पहले विधेयक लागू नहीं हो सकता क्योंकि इसे जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया से जोड़ा गया है। दूसरी तरफ यह भी एक सच्चाई है कि राजनीतिक दल अब भी महिलाओं को पर्याप्त टिकट नहीं दे रहे हैं। कई दलों में महिलाओं को चुनावी चेहरा तो बनाया जाता है, लेकिन सत्ता पुरुषों के हाथ में रहती है। इसलिए जरूरी है कि आरक्षण को जल्द लागू किया जाए। सभी पार्टियों के लिए कम से कम 33 फीसद टिकट महिलाओं को देना अनिवार्य किया जाना चाहिए। भारत की प्रसिद्ध महिलाएं जिन्होंने बदलाव किया इंदिरा गांधी महिला सशक्तिकरण की बात जब की जाती है तो हमारे देश में ऐसी महिलाओं की कमी नहीं जिन्होंने अपनी मेहनत से मिसाल कायम कर मकाम हासिल किया है। इसमें सबसे पहले नाम भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का है। इंदिरा गांधी ने पूरे विश्व में भारत को वैश्विक पहचान दिलाई।1971 पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित कर बांग्लादेश निर्माण में अहम भूमिका निभाई। सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका हैं। जिन्होंने महिलाओं और दलितों की शिक्षा के लिए क्रांति लाई। फातिमा शेख भारत की पहली मुस्लिम महिला शिक्षिका जिन्होंने सावित्रीबाई फुले और ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर 19वीं शताब्दी में महिला शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपने घर को स्कूल के रूप में उपयोग करने की अनुमति दी, जहां दलित और मुस्लिम महिलाओं को शिक्षा प्रदान की जाती थी। उनका यह कदम उस समय के सामाजिक मानदंडों के खिलाफ था, लेकिन उन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज सुधार का मार्ग प्रशस्त किया। आज उन्हें भारत में महिला शिक्षा की अग्रदूत माना जाता है। भारत सरकार ने उनकी याद में 2022 में एक डाक टिकट भी जारी किया। कल्पना चावला भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री हैं। जिन्होंने अंतरिक्ष में उड़ान भरकर देश का नाम रोशन किया। अन्ना राजम मल्होत्रा भारत की पहली महिला आईएएस(1951 बैच) अधिकारी थीं। उनका जन्म 17 जुलाई, 1927 को केरल के निरनम में हुआ। वे प्रसिद्ध मलयालम लेखक पैलो पॉल की पोती थीं। किरण बेदी भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी हैं। किरण बेदी पुलिस महानिदेशक के पद से सेवानिवृत होने के बाद राज्यपाल बनीं। पुलिस सुधारों में किरण बेदी का अहम योगदान भुलाया नहीं जा सकता। पी.टी. ऊषा भारत की पहली महान एथलीट हैं। उन्हें 'उड़न परी' कहा जाता है। मैरी कॉम छह बार वर्ल्ड बॉक्सिंग चौंपियन रह चुकीं मैरी कॉम ने महिला खेलों में भारत का नाम ऊंचा किया।

रजनीश त्रिपाठी ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 और मीडिया पर शोध कार्य कर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
हरदोई

हरदोई। जिले की कटियारी के बाशिंदे रजनीश त्रिपाठी ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 और मीडिया पर शोध कार्य कर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की! पत्रकारिता में एम. ए. और एम. फिल. की उपाधि स्वर्ण पदक के साथ महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र से उत्तीर्ण करने वाले रजनीश ने पत्रकारिता में यूजीसी की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा को भी उत्तीर्ण किया है! महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के मीडिया अध्ययन विभाग के पी-एच.डी. शोधार्थी रजनीश कुमार त्रिपाठी हरपालपुर विकास खंड के ग्राम सतौथा के निवासी और पेशे से शिक्षक देवेन्द्र त्रिपाठी के पुत्र है! रजनीश ने 卐अनुच्छेद 370 मुक्त कश्मीर- राष्ट्रीय प्रिंट मीडिया की भूमिका एवं प्रभाव का अध्ययन (दिल्ली से प्रकाशित दैनिक जागरण समाचार पत्र के विशेष संदर्भ)卐 विषय पर अपना शोध विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुनील दीपक घोडके के निर्देशन और हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्यामनंदन के सह निर्देशन मे पूर्ण किया है! अकादमिक क्षेत्र में मीडिया अध्ययन की दृष्टि कश्मीर में अनुच्छेद 370 के समापन के बाद से यह प्रथम पीएचडी शोध कार्य है, जिसमें अनुच्छेद 370 उन्मूलन में मीडिया की भूमिका को रेखांकित किया गया है! शोधार्थी को इस अध्ययन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जाने वाली डॉक्टरोल फेलोशिप भी प्राप्त हुई है ! आपको बताते चले कि मेधावी रजनीश इससे पूर्व 2 बार राष्ट्रपति से और एक बार राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं! रजनीश ने अकादमिक जगत में अपनी मेधा का परचम फहराते हुए दो दर्जन से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग कर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं और रजनीश 3 किताबों के लिए चैप्टर लिख चुके है! रजनीश के कश्मीर और अनुच्छेद 370 , परम्परागत वेश्यावृत्ति, मीडिया और भाषा, कश्मीर और सिंधु सभ्यता विषयों पर सात शोध आलेख पियर रिव्यू जर्नल में प्रकाशित हो चुके है! रजनीश के शोध कार्य का मूल्यांकन स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड़ महाराष्ट्र के प्रो. सुहास दुर्गेशराव पाठक और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग के प्रो. परमवीर सिंह ने किया ! अपनी स्कूली शिक्षा से बहुआयामी प्रतिभा के धनी रजनीश एनसीसी में सी सर्टिफिकेट और बेस्ट कैडेट रहे हैं, स्काउटिंग में राष्ट्रपति पुरूस्कार ,राष्ट्रीय बाल विज्ञानी पुरस्कार ,अटल बिहारी वाजपेयी श्रेष्ठ वक्ता पुरूस्कार ,नवीन जैन राष्ट्रीय वाद विवाद प्रतियोगिता के विजेता, सरोजनी नायडू राष्ट्रीय वाक प्रतियोगिता के लगातार 4 वर्ष चैम्पियन सहित 200 से ज्यादा वाद विवाद और भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता रजनीश की इस उपलब्धि पर सांसद श्री जय प्रकाश रावत, विधायक श्री माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू, सीएसएन महाविद्यालय के राजनीति विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अखिलेश बाजपेयी, प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजेश तिवारी, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री आशीष सिंह, बार एसोसिएशन सवायजपुर के पूर्व अध्यक्ष उदयराज सिंह, जिला पंचायत सदस्य राणा प्रताप सिंह हिमालय, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला संयोजक सचिन मिश्र समेत जिलेभर से सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक संस्थाओं ने हर्ष व्यक्त किया और रजनीश को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

पब्लिक हेल्थ से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध हो कठोर कार्यवाही, त्यौहारों के दौरान मिलावटी खाद्य बिक्री किसी दशा में न हो- जिलाधिकारी

त्यौहारों के दृष्टिगत निरतंर की जाये छापेमारी, जन सामान्य को शुद्ध, सुरक्षित खाद्य सामग्री हो मुहैया- अंजनी कुमार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
मैनपुरी

मैनपुरी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय समिति की त्रैमासिक बैठक में जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को आदेशित करते हुए कहा कि आगामी त्यौहारों की दृष्टिगत निरंतर निरीक्षण करें, मिलावटी, आद्योमानक खाद्य सामग्री की बिक्री किसी दिशा में न हो, सुनिश्चित किया जाए, त्यौहारों के सीजन को दृष्टिगत रखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए निरंतर प्रवर्तन की कार्यवाही की जाये, खुले पेय पदार्थों की बिक्री किसी दशा में न हो, दुकानदारों, हथठेले वालों की गहनता से जॉच हो, नियमित रूप से सेम्पिल लिये जायें, जो भी सेम्पिल जॉच हेतु भेजे जायें, उनकी रिपोर्ट समय से मंगाने की व्यवस्था हो, खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी जो भी वाद विभिन्न न्यायालयों में लंबित हैं उन्हें प्राथमिकता पर निबटाया जाये, खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों, अद्योमानक खाद्य सामग्री की बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाये, खाद्य निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्र में निरतंर प्रवर्तन की कार्यवाही करे। श्री सिंह ने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अगले 05 दिन में सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारी, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा आकस्मिक रूप से कम से कम 10-10 सैंपल की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि लोगों को अपमिश्रित खाद्यान्न सामग्री न मिले, बाजार में गुणवत्तायुक्त सामग्री की बिक्री हो इसके लिए निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होने खाद्य एवं औषधियों में अपमिश्रण रोकने के लिए की गयी कार्यवाही की जानकारी करने पर पाया कि खाद्य अनुभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 1367 निरीक्षण, 362 छापे की कार्यवाही कर 374 नमूने संग्रहित कर 298 वाद दायर किये गये, लिये गये नमूनों में से 147 अद्योमानक एवं 68 असुरक्षित पाये गये हैं। जिलाधिकारी ने औषधि संवर्ग की समीक्षा करने पर ड्रग निरीक्षक ने बताया कि मेडिकल स्टोर की नियमित जांच की जा रही है, अब तक 38 दवा विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित एवं 06 के लाइसेंस निरस्त किए गए, 21 नये लाइसेंस जारी किए गए, 40 वाद अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में दायर कराये गये। उन्होंने मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी से कहा कि सभी मेडिकल स्टोर पर सी.सी.टी.वी. कैमरे प्राथमिकता पर लगें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु, अपर जिलाधिकारी राम जी मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनिल कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर. सी. गुप्ता, उपायुक्त एन.आर.एल.एम. शौकत अली, परियोजना निदेशक सत्येंद्र कुमार, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा डा. श्वेता सैनी, जिला पूर्ति अधिकारी क्यामुद्दीन अंसारी, केमिस्ट एसोसिएशन से विनय गांधी आदि उपस्थित रहे, बैठक का संचालन मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी डा. ए.के. पाठक ने किया।

डीसीए बी बना अंडर-19 जिला लीग का चैंपियन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
उन्नाव

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर 19 रजनींद्र दीक्षित जनपदीय क्रिकेट लीग के अंतर्गत आज डी सी ए(बी) तथा डी सी ए(एफ) के मध्य फाइनल मैच खेला गया। जिसमें डीसीए बी के कप्तान आयुष जायसवाल ने टॉस जीतकर निर्धारित 35 ओवर के मैच में 229 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जिसमे प्रांजल तिवारी ने 58 गेंद में शानदार 78 बनाए जिसमें 6 चौके और एक छक्का शामिल है इसके अलावा रोहित राजपूत ने भी शानदार पारी खेली और 48 रन बनाए जिसमें 6 चौके शामिल है इसके अलावा संदीप यादव ने नाबाद ताबड़तोड़ 35 रनों की पारी खेली शिवाकांत और आयुष जायसवाल ने क्रमशः 23 और 29 रनों का योगदान दिया डीसीए एफ की ओर से ओम नारायण ने 32 रन देकर 3 विकेट प्राप्त किये इसके अलावा कृष्ण और अल्तमश ने भी एक-एक विकेट प्राप्त किया जवाब में बैटिंग करने उतरी डीसीए एफ की पूरी टीम निर्धारित 35 ओवर में 205 रन ही बना सकी डी सी ए(बी) ने यह मैच 24 रनों से जीत लिया डीसीए एफ के कप्तान अभिनव राजपूत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 78 गेंद पर 92 रन बनाए जिसमें 10 चौके शामिल है किंतु अपनी टीम को विजय नहीं दिला सके। इसके अलावा विकास शर्मा ने भी शानदार पारी खेली और 55 बहुमूल्य रन बनाए जिसमें की छह चौके शामिल है कृष्ण शर्मा और अंकित यादव ने क्रमशः 22 और 17 रनों का योगदान दिया डीसीए बी की ओर से संदीप यादव ने तीन बहुमूल्य विकेट प्राप्त किया इसके अलावा रंजीत और आयुष ने दो दो विकेट प्राप्त किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम सदर उन्नाव क्षितिज द्विवेदी विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की विशिष्ट अतिथि अरविंद कुमार श्रीवास्तव कमल सचिव उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया। आज के इस फाइनल मैच का मैन ऑफ द मैच संदीप यादव को और मैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार नवरत्न राजपूत को प्रदान किया मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को उत्साह और जोश से खेलने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को और अधिक मेहनत करने की सलाह दी। इस अवसर पर जिले के गणमान्य व्यक्ति राजेंद्र कुमार त्रिपाठी, पीके मिश्रा, संजय राठी, नवीन सिन्हा, ओम मिश्रा, अभिषेक शंकर, निम्मी अरोड़ा, मनीता सेंगर, मंजू अवस्थी, शाकिर लाभ सिंह, सुनील, कामता सिंह, मनीष सेंगर आदि लोग विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आरके त्रिपाठी ने किया पीके मिश्रा ने प्रतियोगिता का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत संजय राठी, नवीन सिन्हा, पीके मिश्रा राजेंद्र कुमार, ओम मिश्रा द्वारा किया गया, धन्यवाद जिले के खेल सचिव नवीन सिन्हा द्वारा स्थापित किया गया।

जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने जनता दरबार में सुनी लोगों कि फरियाद

तीसरा विकल्प न्यूज़ कन्हैया सिंह

जमुई पटना। जिलाधीश अभिलाषा शर्मा ने समाहरणालय परिसर स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया। मौके पर जिले के विभिन्न प्रखंडों के सुदूर क्षेत्र से आए दर्जनों फरियादियों ने आवेदन देकर अपनी समस्याओं को बताया और न्याय की गुहार लगाई। डीएम ने मौके पर पीड़ितों की समस्याओं को बारी-बारी से सुना और हर संभव न्याय का भरोसा दिलाया। उन्होंने कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन भी किया। कुछ मामलों को इससे जुड़े विभाग को अग्रसारित कर अविलम्ब विधि-सम्मत कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जनता दरबार में जन शिकायत से संबंधित सुनवाई के क्रम में भूमि बटवारा , अतिक्रमण , दाखिल खारिज , रैयति भूमि का निबंधन , अनुग्रह भुगतान , खतियान , दखल-कब्ज़ा , जमीन की नापी , इंदिरा आवास योजना , विकलांग पेंशन , विवादित भूमि पर जबरन कार्य , चयन प्रक्रिया , जमाबंदी , सेवान्त लाभ , सामाजिक सुरक्षा लाभ , श्रम संसाधन लाभ , स्वच्छता , अनुकम्पा नियुक्ति , राशि-गबन , रास्ता अवरुद्ध , मारपीट , बासगीत पर्चा , पक्की नली- गली , आंगनवाड़ी , गैर मजरूआ , बिजली एवं अन्य से सम्बंधित मामले आए। डीएम ने तमाम प्रकरणों को गंभीरता से लिया और प्राप्त शिकायतों पर संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित और प्रभावी कारवाई के लिए निर्देश दिए। अभिलाष शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि जनता को कठिनाइयों से उबारना ही उनका मुख्य मकसद है। सरकार की राज्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ कमजोर वर्गों को मिले , इसके लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। जनता इन योजनाओं का लाभ उठाएं और सरकार की सोच को साकार करने में सहयोग दें। कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गति देने में शिथिलता और अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को निष्ठा के साथ काम करने का निर्देश दिया। मौके पर कई विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

अमीनाबाद पे करम मौलवीगंज पे सितम- ऐ योगी सरकार ये जुल्म ना कर

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अतिक्रमण कर सडक घेरकर लगने वाली दुकानें, तथा नगरनिगम की भूमीपर तहबजारी का किराया देकर लगने वाली फुटपाथ दुकानो के बीच एक अनोखा विरोधाभास देखने को मिला लखनऊ प्रशासन की कार्यप्रणाली में, जहां राजधानी की सबसे व्यसतम बाजार अमीनाबाद मे सडक के दोनो ओर सडक घेरकर लगी दुकानों की अन्देखी करना, और मौलवीगंज मे रमजान के अवसर पर पिछले चालीस वर्षों से फुटपाथ पर लगता आ रहा सेवंई बाजार को उजाडकर गरीब फुटपाथ दुकानदारों के आगे भूखमरी का संकट खडा करना योगी सरकार मे दोगली प्रशास्निक व्यवसथा को उजागर करता है । लखनऊ शहर मे रमजान शुरू होते ही मौलवीगंज मे अमीनाबाद इंटर कालेज तथा महिला विधालय के फुटपाथ पर पिछले चालिस वर्षो से सेवंई बाजार लगता आ रहा है जहां राजधानी के कोने कोने से लोग सेवंई तथा लच्छे आदी की खरीदारी करने आते रहे हैं, गरीब फुटपाथ दुकानदार इसके लिए बाकायदा नगर निगम प्रशासन से परमीशन लेते रहे हैं, तथा

निगम द्वारा तय किराया भी समय पर चुकाते रहे हैं जिसकी रसीदें भी दुकानदारों के पास उपलब्ध हैं । किंतु इसबार नगर निगम लखनऊ प्रशासन ने फुटपाथ पर सेवंई की दुकाने लगाने की परमीशन ना देकर ना केवल गरीब दुकानदारो के पेट पर लात मारने का काम किया है, अपितु सेवंई व्यवसाय पर भी संकट खडा कर दिया है, क्यो की सेवंई मिलों के उतपाद का सबसे बडा बाजार मौलवीगंज का फुटपाथ बाजार ही रहा है । नगर निगम प्रशासन तथा अमीनाबाद पुलिस इसके लिए अतिक्रमण का तर्क देते रहे हैं, जबकि दूसरी ओर पूरे अमीनाबाद बाजार में पुलिस सरंक्षण मे बडे पैमाने पर सडक के दोनो ओर बडे पैमाने पर अतिक्रमण कर खुलेआम बडी बडी दुकाने सजी हैं यहां तक कि प्रकाश चौराहे पर स्थित पुलिस चौकी के चारो ओर भी अतिक्रमण कारियो ने सडक घेर कर दुकाने सजा रखी हैं, इनपर प्रशासन मेहरबान क्यो है ।

मिट्टी में दबा मिला बच्चे का शव, जेसीबी चालक भेजा गया जेल

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता हरदोई

हरपालपुर,हरदोई। निर्माणाधीन कोतवाली भवन में खेलते समय लापता हुआ एक पांच वर्षीय बच्चे का शव मिट्टी में दबा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने घटना का खुलासा कर शुक्रवार को आरोपी जेसीबी चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। हरपालपुर कोतवाली भवन का निर्माण पिछले एक महीने से चल रहा है। जहां बलरामपुर जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र के पचपेड़वा निवासी शत्रुघन थारू अपनी पत्नी के साथ यहां मजदूरी कर रहा था। बुधवार दोपहर करीब 2 बजे उसका बेटा रोहन निर्माण स्थल के पास खेलते समय अचानक लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चला, तो पिता ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी, जिसके बाद गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई। मामले में पुलिस छानबीन कर रही थी। विवेचनात्मक कार्रवाई के दौरान पता चला कि जेसीबी का पंजा लगने से बच्चा घायल हो गया था। इसके बाद चालक ने बच्चे को मिट्टी में दबा दिया। मामले में धारा 105/238 बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। शुक्रवार को पुलिस ने घटना का खुलासा कर जेसीबी चालक वर्षा सिंह पुत्र वेदपाल निवासी शेखवापुर थाना हरपालपुर हरदोई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ब्लाइंड मर्डर के बाद लखनऊ पुलिस का 24 घंटे में बड़ा खुलासा मां पिता की हत्या सुपारी का पैसा नहीं देने पर हुई थी

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पीजीआई इलाके में शहीद पथ पर मिले युवक के शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने बताया है कि शव विनायक नाम के युवक का था। उसने अपनी मां और सौतेले पिता की हत्या के लिए सुपारी दी थी। इसके बाद आरोपी युवकों से सुपारी के पैसे को लेकर उसका विवाद हो गया जिसमें उसकी हत्या कर दी गई। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि मृतक विनायक और उसके पिता अंजनी कुमार ने विनायक की मां शांति साहू और उसके दूसरे पति इमरान की हत्या के लिए 4 लोगों सुपारी दी थी। आरोपी आमिर और आशीष को अपना ऑटो देने का वादा किया। शिवम और शिवा को 2.5 लाख रुपए देने की बात हुई थी। 1.5 लाख एडवांस मांगने पर हुआ विवाद- डीसीपी के मुताबिक, 5 मार्च को आरोपियों ने 1.5 लाख रुपए एडवांस मांगे। विनायक ने मना किया तो दोनों पक्षों में विवाद हो गया। आरोपी शिवा ने कहा कि उसकी मां से हत्या की बात बता देगा। इस पर विनायक ने सबको जान से मारने की धमकी दी। इसी बात पर शराब के नशे में आरोपियों ने मिलकर विनायक की ही चाकू से हत्या कर दी। अंजनी को छोड़कर इमरान के साथ गई शांति पुलिस ने बताया कि विनायक की मां शांति अपने पति अंजनी साहू को छोड़कर इमरान के साथ चली गई थी। इसी कारण विनायक और उसके पिता ने दोनों की हत्या की साजिश रची थी। मामले में मोहनलाल गंज के कल्ली पूरब के शिवम रावत, आशीष, आमिर और शिवा को गिरफ्तार किया है। उनके पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू और बीयर की खाली केन बरामद की गई है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया फर्जी परीक्षार्थी

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता हरदोई

हरदोई। बघौली थाना क्षेत्र में माध्यमिक शिक्षा परिषद की कक्षा 12 की द्वितीय पाली की परीक्षा में एक छात्र को दूसरे छात्र के स्थान पर परीक्षा देते समय पकड़ा गया। जिसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई। प्राप्त विवरण के अनुसार, डीआईओएस ने गुरुवार को बघौली थानें पर तहरीर दी। जिसमें बताया कि थाना क्षेत्र में स्थित मां यशोदा उ.मा. विद्यालय बघौली चौराहा हरदोई में इण्टरमीडिएट की परीक्षा की द्वितीय पाली में जोनल मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर हरदोई द्वारा चेकिंग के दौरान वास्तविक परीक्षार्थी के स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को परीक्षा देते हुए पकड़ा गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने फर्जी परीक्षार्थी के खिलाफ उप्र सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों के निवारण अधिनियम-2024 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

जिलाधिकारी ने आरटीओ ऑफिस का किया निरीक्षण, दलालों पर कसा शिकंजा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने शुक्रवार को सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आरटीओ ऑफिस का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बड़ी कार्रवाई करते हुए दलालों पर शिकंजा कसा। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के साथ छापेमारी करने पहुंचे डीएम ने यहां पर जन सेवा केंद्र के माध्यम से लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों के लिए हो रही अवध वसूली पर रोक लगाने को लेकर यह निरीक्षण किया। इस दौरान यहां दलालों में अफरा तफरी मच गई। अधिकतर दलाल जिलाधिकारी के निरीक्षण की जानकारी पाते ही वहां से भाग खड़े हुए। जबकि पांच दलालों को धर दबोचा गया। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। छापेमारी के समय जिलाधिकारी आरटीओ मुख्यालय के अंदर गए और आरटीओ ऑफिस में काम कराने आए कई आवेदकों से पूछताछ की। तब अवैध वसूली के बारे में उन्हें कुछ जानकारी भी मिली। निरीक्षण के दौरान एक गोदाम में अवैध रूप से कई दुकानें संचालित पाए जाने पर डीएम ने एलडीए अधिकारियों को उन्हें सील करने के आदेश भी दिए। जिलाधिकारी के निर्देश मिलते ही एलडीए अधिकारियों ने पूरी बिल्डिंग को सील कर दिया है। वहीं जिलाधिकारी की इस कार्रवाई से आरटीओ ऑफिस में पूरे दिन अफरा तफरी मची रही। हालांकि वहां काम करने आए लोगों ने इस कार्य की काफी सराहना की प् उनका कहना था कि अगर यही सख्ती यहां बनी रहे, तो आरटीओ कार्यालय में पारदर्शिता के साथ काम हो सकेगा। लोगों को अपने काम निपटाने के लिए अधिक रकम नहीं देनी पड़ेगी। इस दौरान डीएम ने आरटीओ कार्यालय में लगे सीसीटीवी की जांच कर एक सप्ताह में आने जाने वाले संदिग्धों को चिन्हित कर उनसे पूछताछ करने के साथ दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए। डीएम ने बताया कि उन्हें आरटीओ ऑफिस में दलालों के सक्रिय होने के साथ अवैध वसूली की शिकायत मिल रही थी। जिसको लेकर उन्होंने मौके पर पहुंचकर यह छापेमारी की। डीएम ने कहा कि निरीक्षण के दौरान एक गोदाम में कई दुकानें संचालित पाई गई। जिसके बाद एलडीए अधिकारियों से अवैध रूप से संचालित दुकानों सहित पूरी बिल्डिंग को सील करा दिया गया है।

शिक्षाविद् एवं हिन्दी व राजस्थानी भाषा की साहित्यकार डॉ.कांता मीना महिला शक्ति सम्मान से हुई सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

जयपुर। मुजफ्फरपुर,बिहार की साहित्यिक संस्था एमएस केशरी पब्लिकेशन की ओर से संस्थापिका मुस्कान केशरी द्वारा शिक्षाविद् एवं हिन्दी व राजस्थानी भाषा की साहित्यकार डॉ.कांता मीना को शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान देने के लिए महिला शक्ति सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। डॉ. मीना की दो पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है और लेखन कार्य अनवरत जारी है। साहित्य जगत में डा. कांता मीना एक जाना पहचाना नाम है तथा अनेक राष्ट्रीय एव राजकीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी हैं, साहित्य के साथ साथ डा. कांता मीना कवीता भी लिखती है, देश के अनेक समाचार पत्रो मे अक्सर इनकी कविताए प्रकाषित हो चुकी हैं ।

एकेटीयू में एक घंटा सभी ने पढ़ी किताबें

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शुक्रवार को पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय एवं पढ़े महाविद्यालय, बढ़े महाविद्यालय मुहिम के तहत कुलपति प्रोफेसर जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने एक साथ पुस्तकें पढ़ी। विश्वविद्यालय के सभागार में एक घंटे सामूहिक अध्ययन में सभी ने अपनी रूचि के अनुसार किताबें पढ़ी। इस दौरान दहेज मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा एवं नशामुक्त भारत के लिए भी प्रतिज्ञा दिलायी गयी। इस मौके पर प्रतिकुलपति प्रो. राजीव कुमार, वित्त अधिकारी केशव सिंह, उप कुलसचिव आरके सिंह, उपकुलसचिव डीपी सिंह, एसो. डीन इनोवेशन डॉ. अनुज कुमार शर्मा, डॉ. मनोज कुमार सहित सभी अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और छात्र मौजूद रहे।

नगर निगम की साफ सुथरी छवि को धूमिल कर रहे हैं स्थानीय पार्षद, ज़ोन 6

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नगर निगम के कार्यों को स्थानीय परिषद दिखा रहे हैं ठेंगा भवानीगंज वार्ड में स्वच्छता के दावे पूरी तरह से विफल होते हुए नजर आ रहे हैं, और इससे स्थानीय निवासियों की जीवनशैली प्रभावित हो रही है। हैदरगंज शाही मस्जिद के पास गंदा पानी भरने और नालियों के चोक होने के कारण लोग न केवल परेशान हैं, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन गया है। त्योहारों के समय यह समस्या और बढ़ जाती है, और ऐसे में प्रशासन का ध्यान इस दिशा में आवश्यक है। स्थानीय निवासियों का रोष इस बात का संकेत है कि प्रशासन को तुरंत इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए और साफ सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त करना चाहिए।

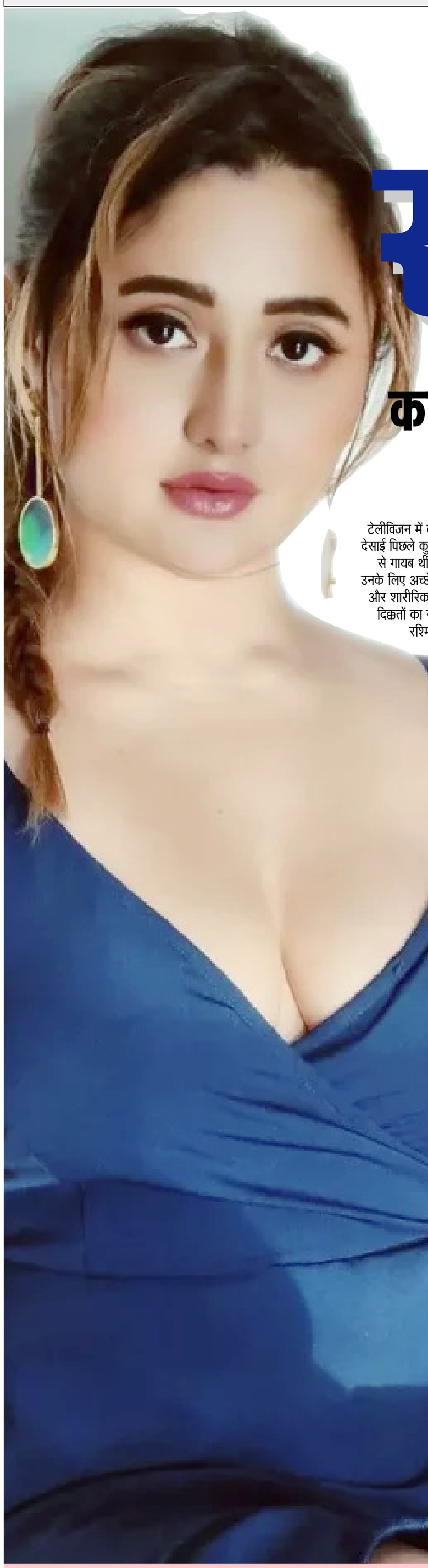

दिवालिया हो गई थीं

रश्मि देसाई

कार में सोना पड़ा, बिग बॉस गई, वहां सुसाइड के ख्याल आए, सलमान ने समझाया, अब दूसरी इनिंग शुरू

टेलीविजन में बड़ा नाम रहीं रश्मि देसाई पिछले कुछ समय से इंडस्ट्री से गायब थीं। पिछले कुछ साल उनके लिए अच्छे नहीं रहे। आर्थिक और शारीरिक रूप से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रश्मि ने बताया कि एक वक्त पर वे दिवालिया (बैंकरप्ट) हो गई थीं। रहने को घर नहीं था। कार में सोना पड़ा था। पैसों के लिए बिग बॉस शो में गईं। वहां की जर्नी भी काफी मुश्किलभरी रही। वहां इतनी परेशान हो गईं कि सुसाइड के ख्याल आने लगे। शो के होस्ट सलमान खान के समझाने पर वे थोड़ी नॉर्मल हुईं। तमाम कठिनाइयों के बाद रश्मि देसाई ने अपना करियर रीस्टार्ट किया है। वे इस साल एक गुजराती और हिंदी फिल्म में देखी गईं। संघर्ष से सफलता की कहानी, खुद उनकी जुबानी परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी मेरे परिवार की माली हालत ठीक नहीं थी। मां टीचर थीं, उनकी सैलरी 15 हजार रुपए थी। मां को मुझे और मेरे भाई को पालना था। इतने पैसे काफी नहीं थे। कभी-कभार खाने को भी लाले पड़ जाते थे। शायद इसी वजह से मैंने कम उम्र में ही कमाने का फैसला कर लिया। ऐसा नहीं है कि मुझे एक्टर बनना था। मुझे डांस कोरियोग्राफर या एयरहोस्टेस बनने का मन था। मैं सरोज खान और माधुरी दीक्षित की डांसिंग स्किल की दीवानी थी। हालांकि, जब एक बार एक्टिंग का ऑफर आया, फिर इसी फील्ड में एडजस्ट हो गई। बाकी सारे सपने पीछे रह गए। इनकी भोजपुरी फिल्म को मिला नेशनल अवॉर्ड मैंने 2002 में असमी फिल्म कन्यादान से डेब्यू किया। इसके बाद दर्जनों भोजपुरी फिल्मों में काम किया। 2005 में मेरी एक भोजपुरी फिल्म 'कब होई गवना हमार' को बेस्ट भोजपुरी फीचर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला था। इस फिल्म की शूटिंग के वक्त मैं सिर्फ 20 साल की थी। मुझे उस वक्त ज्यादा कुछ समझ नहीं थी। सेट पर सिर्फ खाना खाने से मतलब होता था। इस फिल्म के बाद पहली बार मेरा इंटरव्यू हुआ था। टीवी शो से निकाली गई 2006 के आस-पास मैंने टेलीविजन का रुख किया। करियर के शुरुआती दिनों की बात है, मैंने एक शो जॉइन किया। सब कुछ होने वाला था, तभी प्रोड्यूसर्स के पास किसी का फोन आया। वहां से कुछ बोला गया और मुझे शो से हटा दिया गया। मेरी जगह पर किसी और को कास्ट कर लिया गया। वह समय मेरे लिए काफी दुखदायी था। रश्मि देसाई टीवी शो उतरन में निभाए तपस्या ठाकुर के किरदार के लिए सबसे ज्यादा जानी गईं। शो में उनका निगेटिव किरदार था। इसी शो के बाद उन्होंने को-स्टार नंदीश संधू (दाएं) से शादी रचा ली , जो ज्यादा दिन नहीं चली। टेलीविजन में ही सिमटकर रह गईं मैं कई सीरियल्स में दिखी, लेकिन पहचान कलर्स टीवी पर आने वाले शो उतरन से मिली। उस सीरियल ने मुझे पॉपुलैरिटी दी। यह सीरियल 5 साल तक चला। पैसे भी आते थे। किसी चीज की कमी नहीं थी। हालांकि, कुछ वक्त बाद एहसास हुआ कि मैं एक्सप्लोर नहीं कर पा रही हूं। मैंने टेलीविजन में लंबे समय तक एक कमिटमेंट वाला रोल किया। इसी वजह से वहां सिमटकर रह गई थी। बैंकरप्ट हुईं, रहने को छत नहीं 2017 का समय था। मेरे पैसे खत्म हो गए थे। करोड़ों का लोन हो गया था। बैंकरप्ट हो गई थी। पेट कैसे पालना है, यह भी समझ नहीं आ रहा था। मैंने अपनी पूरी लाइफ में बहुत पैसे कमाए, लेकिन इन्हें मैनेज नहीं कर पाई। मुझे उन पैसों से अपने लिए कुछ कर लेना चाहिए था। लोगों ने धोखा दिया, मेरे पैसे खा गए। एक समय ऐसा आया, जब मुझे चार दिन कार में सोना पड़ा। उस स्थिति में मेरी कार ही सबसे ज्यादा काम आई। पैसों के लिए बिग बॉस गई, वहां सुसाइड के ख्याल आए पैसा ही सबसे बड़ा कारण था, जिसकी वजह से मैं बिग बॉस का हिस्सा बनी। उसके पहले मेरे पास पैसे आए थे, लेकिन घर खरीद लिया। मैं पैसों के लिए बिग बॉस का हिस्सा बन तो गई, लेकिन वहां सर्वाइव करना आसान नहीं रहा। शो में कई बार ऐसा हुआ कि मुझे सुसाइड तक के ख्याल आने लगे थे। मैं कई बार टूटी। मेरी चीजों का बहुत मजाक बनाया गया। भावनाओं के साथ खेला गया। बाहर काफी ट्रोलिंग हुई। मेरा मन बिल्कुल अशांत रहने लगा। फिर एक दिन वीकेंड वाले एपिसोड में सलमान सर ने मुझे समझाया। तब जाकर मुझे थोड़ी हिम्मत मिली। सलमान ने पिता जैसे सपोर्ट किया मैंने सलमान खान के साथ एक ऐड वीडियो में भी काम किया है। हालांकि मैं पब्लिकली उनके बारे में बात करना पसंद नहीं करती। बस इतना समझिए कि वे राजा आदमी हैं। लोगों के लिए बहुत करते हैं। उनसे जब भी बात होती है, हमेशा फ्यूचर को लेकर बात करते हैं। साथ ही हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। सलमान सर ने मेरे लिए जो किया है, वह मैं बता नहीं सकती। एक पिता जितना करते हैं, उतना ही सलमान सर ने मेरे लिए किया है। मां ने इससे भी ज्यादा स्ट्रगल किया मैंने अपनी मां को मुझसे भी ज्यादा स्ट्रगल करते देखा है। परेशानियों से कैसे लड़ते हैं, मैंने अपनी मां से सीखा है। पिता नहीं थे, मां ने ही सिंगल पेरेंट के तौर पर मुझे बड़ा किया। ऐसा नहीं था कि मैं उनके लिए कोई आसान चाइल्ड थी, मुझे झेलना ही उनके लिए बहुत मुश्किल होता था। मेरे मुकाबले भाई ज्यादा समझदार था। मैंने जीवन में इतनी परेशानियां झेली हैं, कोई दूसरा व्यक्ति अब तक खत्म हो गया रहता। शायद, यह मेरी मां की देन है कि मुझे उनके सामने अपनी परेशानियां भी कम लगती हैं। गुजराती और हिंदी फिल्मों से दमदार वापसी मैं ट्रैवल बहुत करती हूं। कुछ समय पहले की बात है। पहाड़ों पर सोलो ट्रिप के लिए गई थी। वहां मैंने पर्वतों से निकलने वाला पानी पी लिया। मुझे पेट में इन्फेक्शन हो गया। मैं 6-7 महीने के लिए बिल्कुल घर बैठ गई। शायद इसी वजह से मैं इन दिनों ज्यादा प्रोजेक्ट्स में नजर नहीं आई। मैं सिर्फ अपनी हेल्थ पर काम कर रही थी। अब दोबारा फिल्में कर रही हूं। मैंने हाल ही में एक गुजराती फिल्म में भी काम किया है। हिंदी भाषी भी इसे पसंद कर रहे हैं। वहीं पिछले महीने रिलीज फिल्म शिहसाब बराबरश् में भी आपने मुझे देखा। पिछले हफ्ते की सक्सेस स्टोरी यहां पढ़ें.. एक शो के 20-30 रुपए मिलते थेरू कैंसर से गुजरीं पत्नी, सफलता नहीं देख पाईं कुछ तो गड़बड़ है दया३ये डायलॉग सुनते ही दिलों-दिमाग पर एक व्यक्ति की तस्वीर छप जाती है। एक ऐसा व्यक्ति जिन्हें लोग सच में ब्क् का ऑफिसर समझने लगे थे। हम बात कर रहे हैं शिवाजी साटम की। वैसे तो इन्होंने दर्जनों हिंदी और मराठी फिल्मों में काम किया है, लेकिन इनकी असल पहचान ब्क् के ब्व् प्रद्युम्न के रोल से है।

साान्या मल्होत्रा स्टारर फिल्म मिसेज 7 फरवरी को जी 5 पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में एक घरेलू महिला की कहानी दिखाई गई है, जो रोजमर्रा के काम करते हुए अपने सपने छोड़ने पर मजबूर हो जाती है। फिल्म को जनता की काफी सराहना मिल रही है, हालांकि अब कंगना रनोट ने फिल्म का नाम लिए बिना ही फिल्म और इसके कॉन्सेप्ट पर निशाना साधा है। शास्त्रों का हवाला देते हुए कंगना ने कहा कि शादी बच्चों और बुजुर्गों के लिए की जाती है और यही होना चाहिए, इसे वेलिडेशन के लिए नहीं करना चाहिए। कंगना रनोट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में लिखा, बड़ी होते हुए मैंने कोई भी ऐसी महिला नहीं देखी जो अपने घर में हुक्म न चलाती हो, सबको ऑर्डर न देती हो कि कब सोना है कब खाना है और कब बाहर जाना है, अपने पति से खर्च किए गए एक-एक रुपए का हिसाब नहीं लेती हो और लोग उसे मानते न हों। झगड़ा सिर्फ इस बात का होता है कि लड़के बाहर जाते हैं और आए दिन दोस्तों के साथ शराब पीते हैं। जब भी पापा हमारे साथ बाहर खाना चाहते थे तो मां चिल्लाती थीं, क्योंकि हमारे लिए खाना बनाना उनकी खुशी थी। आगे एक्ट्रेस ने लिखा है, इस तरह से वो कई चीजें कंट्रोल कर सकती थीं, जैसे हाइजीन, खाने का पोषण। बुजुर्ग लोग जो उनके बच्चों के लिए काम करते थे उनका इमोशनल सपोर्ट सिस्टम होते थे। घर की महिलाएं दादी, मम्मा, चाची हमारे लिए रानी थीं और हम उनकी तरह बनने की आशा करते थे। बेशक महिलाओं को कम वैल्यू मिलने का मामला हो सकता है, लेकिन चलिए जॉइंट फैमिली को सामान्य बनाना और बुजुर्गों को राक्षस दिखाना बंद करें। आइए घर की महिलाओं की तुलना वेतन पाने वाले लोगों से करना बंद करें। साथ ही घर बनाने और बच्चों को बड़ा करने के सुख की तुलना फोर्स लेबर से न करें। कंगना ने बिना नाम लिए फिल्म के कॉन्सेप्ट की आलोचना कर लिखा, प्लीज ये समझिए कि शादी वेलिडेशन या अटेंशन के लिए नहीं की जाती, बल्कि सबसे कमजोर लोगों के लिए बेस्ट करने के लिए होती है। ये बुजुर्गों और बच्चों के लिए जरूरी होती है। दोनों ही हेल्पलेस होते हैं, ऐसा शास्त्र कहते हैं। हमारे मां-बाप ने हमारे और बड़ों के लिए सब कुछ किया, लेकिन कभी सवाल नहीं किया। उन्होंने बस कर दिया। आगे उन्होंने लिखा, कई बॉलीवुड लव स्टोरीज ने शादी के विचार को खराब कर दिया। शादी वैसी ही होनी चाहिए जैसे हमेशा से हमारे देश में हो रही है। इसका हमेशा एक उद्देश्य होता है और उद्देश्य धर्म है, जिसका अर्थ अनिवार्य रूप से कर्तव्य होता है। बस अपना कर्तव्य निभाएं। अपना काम करें और आगे बढ़िए, जिंदगी बहुत छोटी और तेज है, अगर आप बहुत ज्यादा वेलिडेशन और फीडबैक पाने की कोशिश करेंगे तो आप अपने थैरेपिस्ट के साथ अकेले रह जाएंगे। आखिर में एक्ट्रेस ने लिखा है कि हमारी सबसे बड़ी ताकत जॉइंट फैमिली है। तलाक को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। यंग जेनरेशन को अपने बुजुर्ग पेरेंट्स को छोड़ने के लिए बढ़ावा नहीं देना चाहिए।

दरअसल हम जिसकी बात कर रहे हैं वो 90 के दशक की बेहद पॉपुलर एक्ट्रेस रही हैं. जिन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से बॉक्स ऑफिस को हिला डाला था. उनकी एक्टिंग और खूबसूरती पर हर कोई अपना दिल हार बैठा था. लेकिन एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा कर दिया कि हर किसी के निशाने पर आ गई और उनकी खूब आलोचना हुई. चलिए जानते हैं ये कौन है.... अगर आपने नहीं पहचाना तो बता दें कि ये महेश भट्ट की बड़ी बेटी और आलिया भट्ट की बहन पूजा भट्टी हैं. जिन्होंने महज 17 साल की उम्र में फिल्म 'डैडी' से अपना करियर शुरू किया था. अगर आपने नहीं पहचाना तो बता दें कि ये महेश भट्ट की बड़ी बेटी और आलिया भट्ट की बहन पूजा भट्टी हैं. जिन्होंने महज 17 साल की उम्र में फिल्म 'डैडी' से अपना करियर शुरू किया था. पूजा भट्ट की ये फिल्म सुपरहिट रही थी. इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और शिदल है कि मानता नहींश, श स ड़ क श, शजख्मश् और 'बॉर्डर' जैसी फिल्मों में काम किया. लेकिन फिर अचानक पूजा विवादों में घिरने लगी और उनका करियर भी इसके चलते डूबने लगा. दरअसल एक्ट्रेस 90 में एक ऐसा फोटोशूट करवाया था. जिसने उस दौर में खूब बवाल काटा था. दरअसल एक्ट्रेस ने एक मैग्जीन के लिए अपने पिता महेश भट्ट संग लिप-लॉक करते हुए पोज दिया. दोनों की ये फोटो कवर पर छपी थी. जिसने इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया था. वहीं विवादों को बढ़ता देख पूजा भट्ट ने इस फोटोशूट को लेकर एक इंटरव्यू में खुलकर बाती की थी. एक्ट्रेस ने कहा था उन्हें इस फोटोशूट का कोई अफसोस नहीं है. इसके बाद पूजा भट्ट एक और फोटोशूट के लिए भी परेशानियों से घिर गई थी. ये किस्सा साल 1993 का है. जब एक्ट्रेस ने एक न्यूड फोटोशूट करवाया था. दरअसल पूजा ने इस फोटोशूट के लिए अपनी बॉडी को सिर्फ पेंट से ढका था. उनकी बॉडी पर ब्लैक कोट-पेंट बनाया गया था. इसको लेकर भी एक्ट्रेस की खूब आलोचना हुई थी. लेकिन एक्ट्रेस ने उनपर कभी ध्यान नहीं दिया. बता दें कि पूजा भट्ट की लव लाइफ भी काफी विवादों से भरी हुई है. एक्ट्रेस ने मनीष खमीजा से शादी की. लेकिन दोनों का रिश्ता चल नहीं पाया और ये कपल तलाक लेकर अलग हो गया. इसके बाद एक्ट्रेस का नाम एक्टर रणवीर शौरी से भी जुड़ा. कहा जाता है कि दोनों लंबे वक्त तक लिवइन में रहे थे. इस दौरान रणवीर नशे में धुत होकर उन्हें पीटते भी थे. जिसके चलते दोनों का रिश्ता टूट गया.

फाइनल में भिड़ेंगे भारत और न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका टीम हुई बाहर

बुधवार को लाहौर में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। जिसे न्यूजीलैंड ने 50 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ कीवी टीम फाइनल में पहुंच गई है। वही अब रविवार, 9 मार्च को दुबई में भारत और न्यूजीलैंड टीम फाइनल में खिताब के लिए भिड़ेंगी। भारत ने पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में एंट्री की थी। फ्लिहाल, दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने धीमी शुरुआत की और फिर लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए, जिससे न्यूजीलैंड ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। दक्षिण अफ्रीका की टीम 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 312 रन बना सकी। साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने नाबाद 100 रन बनाए। न्यूजीलैंड के 363 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंटनर (43 रन पर तीन विकेट) और ग्लेन फिलिप्स (27 रन पर दो विकेट) की बलखाती गेंदों के सामने दक्षिण अफ्रीका की टीम डेविड मिलर (नाबाद 100 रन, 67 गेंद, 10 चौके, चार छक्के) के शतक और रेसी वान डेर डुसेन (69) तथा कप्तान तेंबा बावुमा (56) के अर्धशतक के बावजूद नौ विकेट पर 312 रन ही बना सकी। वान डेर डुसेन और बावुमा ने दूसरे विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी भी की। न्यूजीलैंड ने इससे पहले रविंद्र (108 रन, 101 गेंद, 13 चौके, एक छक्का) और विलियमसन (102 रन, 94 गेंद, 10 चौके, दो छक्के) के शतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 164 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 362 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर है। ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 49, 27 गेंद) और डेरिल मिचेल (49 रन, 37 गेंद) ने अंत में पांचवें विकेट के लिए 30 गेंद में 57 रन जोड़कर टीम का स्कोर 350 रन के पार पहुंचाया। टीम ने अंतिम 10 ओवर में 112 रन जोड़े। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 72 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कागिसो रबादा ने 70 रन पर दो विकेट हासिल किए। सेमीफाइनल के साथ ही पाकिस्तान में चौंपियन्स ट्रॉफी का अंत हो गया क्योंकि अब फाइनल नौ मार्च को दुबई में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। लक्ष्य का पीछा करने उतरे दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें ओवर में ही रेयान रिकेल्टन (17) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने मैट हेनरी (43 रन पर दो विकेट) की गेंद पर कवर में माइकल ब्रेसवेल को कैच थमाया। बावुमा और वान डेर डुसेन ने 10 ओवर में टीम का स्कोर एक विकेट पर 56 रन तक पहुंचाया। बावुमा ने इस दौरान काइल जेमीसन पर पारी का पहला छक्का जड़ा। बावुमा ने ब्रेसवेल पर चौके के साथ 18वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। वान डेर डुसेन ने सेंटनर पर छक्का मारा और फिर ब्रेसवेल की गेंद पर एक रन के साथ 51 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। बावुमा हालांकि सेंटनर के अगले ओवर में बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में बैकवर्ड प्वाइंट पर विलियमसन को कैच दे बैठे। उन्होंने 71 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और एक छक्का मारा। एडेन मार्करम ने 26वें ओवर में विल ओरोर्के पर तीन चौके जड़कर तेवर दिखाए। सेंटनर ने इसके बाद तेजी से स्पिन होती गेंद पर वान डेर डुसेन को बोल्ड किया जिन्होंने 66 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के मारे।

रोहित पर तंज कसने वाली शमा ने शमी का किया समर्थन, रोजा न रखने पर मौलवी ने करार दिया था अपराधी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शमी की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा, श्अनिवार्य कर्तव्यों में से एक है रोजा (उपवास)। अगर कोई स्वस्थ पुरुष या महिला रोजा नहीं रखता है, तो वह बड़ा अपराधी है।श् ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान रोजा न रखने को लेकर मोहम्मद शमी को कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद का साथ मिल गया है। उन्होंने शमी को घेरने वाले मौलवी को लताड़ लगाई है। दरअसल, दुबई में मैच के दौरान एनर्जी ड्रिंक पीते हुए देखे गए शमी को ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने अपराधी कहा था। उन्होंने कहा था कि रमजान के दौरान रोजा न रखने के लिए शमी शरीयत की नजर में अपराधी हैं। इस पर शमा मोहम्मद ने कहा कि इस्लाम में रोजे के लिए छूट दी गई है। खास तौर पर उन लोगों के लिए जो यात्रा कर रहे हैं या शारीरिक रूप से थका देने वाली गतिविधियों में लगे हुए हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, श्इस्लाम में रमजान के दौरान एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। जब हम यात्रा कर रहे होते हैं, तो हमें रोजा रखने की जरूरत नहीं होती। मोहम्मद शमी यात्रा कर रहे हैं और वे अपने घर पर नहीं हैं। वे एक ऐसा खेल खेल रहे हैं, जिसमें उन्हें बहुत प्यास लग सकती है। कोई भी इस बात पर जोर नहीं देता कि जब आप कोई खेल खेल रहे हों, तो आपको रोजा रखना ही होगा। आपके काम ही बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस्लाम एक बहुत ही वैज्ञानिक धर्म है।श् पहले रोहित शर्मा पर दिया था विवादित बयान इससे पहले कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा पर विवादित बयान दिया था। उन्होंने श्एक्सश् पर पोस्ट में कहा था कि रोहित शर्मा एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्होंने यह भी कहा था, श्उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! ... और निश्चित रूप से भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान।श् शरीयत की नजर में वह अपराधीरू मौलवी इससे पहले ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शमी की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा, श्अनिवार्य कर्तव्यों में से एक है रोजा (उपवास)। अगर कोई स्वस्थ पुरुष या महिला रोजा नहीं रखता है, तो वह बड़ा अपराधी है। भारत के एक प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद शमी ने मैच के दौरान पानी या कोई अन्य पेय पदार्थ पी लिया। लोग उन्हें देख रहे थे। अगर वह खेल रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वह स्वस्थ हैं। ऐसी हालत में उन्होंने रोजा नहीं रखा और पानी भी पी लिया। इससे लोगों में गलत संदेश जाता है। रोजा न रखकर उन्होंने गुनाह किया है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। शरीयत की नजर में वह अपराधी हैं। उन्हें खुदा को जवाब देना होगा।श् खालिद रशीद फरंगी महली ने किया था बचाव ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कार्यकारी सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने भी शमी का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि कुरान उन लोगों को उपवास छोड़ने की अनुमति देता है, जो यात्रा कर रहे हैं या बीमार हैं। उन्होंने कहा, श्अल्लाह ने कुरान में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि यदि कोई व्यक्ति यात्रा पर है या अस्वस्थ है, तो उसके पास रोजा न रखने का विकल्प है। मोहम्मद शमी के मामले में वह एक दौरे पर हैं, इसलिए उनके पास रोजा न रखने का विकल्प है। किसी को भी उनसे सवाल करने का अधिकार नहीं है।श् चौंपियंस ट्रॉफी में शमी का प्रदर्शन चोट से उबरकर वापसी करने वाले शमी ने चोटिल जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में चौंपियंस ट्रॉफी के दौरान हर्षित राणा या हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाल रखी है। राणा अभी नए हैं और पांड्या ऑलराउंडर है, जो आमतौर पर वनडे मैच में 10 ओवर नहीं डालते। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में आठ विकेट लिए हैं। शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे।

अजेय भारत के सामने कीवियों की चुनौती ध्वस्त करने का लक्ष्य, नॉकआउट में अच्छा नहीं है रिकॉर्ड

दुबई। 2023 के विश्व कप में भारत ने न्यूजीलैंड को सुपर-10 और सेमीफाइनल में पटखनी दी और इस चौंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप मैच में भी रोहित की टीम ने न्यूजीलैंड पर श्रेष्ठता दर्ज की है। चौंपियंस ट्रॉफी में अजेय रहकर फाइनल में जगह बनाने से भी भारतीय टीम का मनोबल ऊंचा होगा। चौंपियंस ट्रॉफी के रविवार को होने वाले फाइनल में भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ मनोवैज्ञानिक लाभ के साथ उतरेगी। इसका कारण आईसीसी वनडे टूर्नामेंट के पिछले तीन मुकाबलों में भारत की न्यूजीलैंड पर जीत है। वनडे विश्वकप हो या चौंपियंस ट्रॉफी रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत अब तक न्यूजीलैंड से नहीं हारा है। 2023 के विश्व कप में भारत ने न्यूजीलैंड को सुपर-10 और सेमीफाइनल में पटखनी दी और इस चौंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप मैच में भी रोहित की टीम ने न्यूजीलैंड पर श्रेष्ठता दर्ज की है। चौंपियंस ट्रॉफी में अजेय रहकर फाइनल में जगह बनाने से भी भारतीय टीम का मनोबल ऊंचा होगा। हालांकि आईसीसी टूर्नामेंट के इतिहास में यह तीसरा मौका होगा, जब भारत और न्यूजीलैंड खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे। तथ्य यह भी है कि भारत अब तक न्यूजीलैंड को पिछली दोनों खिताबी भिड़ंत में परास्त नहीं कर पाया है। रविवार को दुबई में उसके पास 2000 की चौंपियंस ट्रॉफी और 2021 की विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में मिली हार का बदला लेने का मौका होगा। 2023 विश्व कप के सेमीफाइनल में हराया आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में भारत और न्यूजीलैंड चार बार आपस में भिड़े हैं, जिसमें तीन बार न्यूजीलैंड जीता है, जबकि एक जीत भारत को मिली है, लेकिन अंतिम जीत भारत को ही मिली है, जब उसने 2023 के विश्वकप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को पटखनी दी। भारत के पास दुबई में खेलने का भी लाभ है। दुबई और भारतीय पिचें काफी हद तक समान हैं। विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल इस पिच के अनुसार अपने को अच्छी तरह ढाल चुके हैं। विराट-शमी न्यूजीलैंड को धो चुके हैं फाइनल में भारतीय स्पिनरों पर तो निगाहें होंगी ही, लेकिन दो खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने 2023 विश्वकप में अपने दम पर न्यूजीलैंड को बिखेरा था। ये दोनों खिलाड़ी इस समय भी जबरदस्त फॉर्म हैं। ये विराट कोहली और मोहम्मद शमी हैं। शमी ने 2023 में ग्रुप मैच में 54 रन देकर पांच विकेट लिए थे और विराट ने इस मैच में 104 गेंद में 95 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई थी। सेमीफाइनल में भी यही दोनों खिलाड़ी चले। शमी ने 57 रन पर सात विकेट लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया तो विराट ने 113 गेंद में 117 रन की यादगार पारी खेली। शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2023 विश्व कप के दो मैच में 12 विकेट लिए थे। पिछले मैच से सीख लेकर फाइनल में उतरेंगे रू केन भारत को फाइनल में न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियम्सन से सतर्क रहना होगा। केन भारत के खिलाफ 81 और द. अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 102 रन बना चुके हैं। विलियम्सन का मानना है कि भारत के पास चौंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच दुबई में खेलने के कारण वहां की परिस्थितियों को लेकर वास्तविक स्पष्टता है। बावजूद इसके उनकी टीम रविवार को होने वाले फाइनल के लिए पूरी तरह से तैयार है। दुबई की पिच से तालमेल बिठाना होगा रू रचिन द. अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 108 रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र का मानना है कि भारत के खिलाफ फाइनल में उनकी टीम को दुबई की अंजान पिच से तालमेल बिठाना होगा। रवींद्र ने कहा, हम दुबई की पिच के बारे में अधिक नहीं जानते। हमने भारत के खिलाफ एक मैच खेला और तब गेंद काफी टर्न ले रही थी, जबकि अन्य मैच में गेंद अधिक टर्न नहीं कर रही थी।

मोहम्मद शमी ने स्वीकारा, कहा- दुबई में खेलने से भारत को मिल रहा फायदा

टीम इंडिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी कबूल किया है कि भारत को एक ही वेन्यू पर खेलने का फायदा हुआ है। शमी ने कहा कि भारत के अकेले प्रमुख तेज गेंदबाज होने के नाते उन पर काफी जिम्मेदारी है लेकिन वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि चौंपियंस ट्रॉफी में टीम की जरूरतों पर खरे उतर सकें।

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में अभी तक भारतीय टीम का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा है। टीम इंडिया ने लीग मैचों में बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। जिसके बाद सेमीफाइनल में उसकी भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से हुए जहां रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को मात देकर फाइनल में जगह बनाई है। वहीं अब इस मेगा इवेंट का फाइनल 9 मार्च को दुबई में ही खेला जाएगा। वहीं टीम इंडिया ने हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने सभी मैच दुबई में खेले हैं। जिस कारण कई टीमों ने कहा कि भारत को एक ही वेन्यू में खेलने का फायदा मिल रहा है। अब इस बात को खुद टीम इंडिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी कबूल किया है कि भारत को एक ही वेन्यू पर खेलने का फायदा हुआ है। शमी ने कहा कि भारत के अकेले प्रमुख तेज गेंदबाज होने के नाते उन पर काफी जिम्मेदारी है लेकिन वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि चौंपियंस ट्रॉफी में टीम की जरूरतों पर खरे उतर सकें। चोट से उबरकर वापसी करने वाले शमी ने चोटिल जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में चौंपियंस ट्रॉफी के दौरान हर्षित राणा या हार्दिक पंड्या के साथ नई गेंद संभाली। शमी ने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि टीम इंडिया सारे मैच दुबई में खेल रही है। उन्होंने कहा कि, इससे निश्चित तौर पर फायदा मिला है क्योंकि हम हालात और पिच को बखूबी समझते हैं। एक ही जगह सारे मैच खेलने से फायदा मिला है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया पर सेमीफाइनल में चार विकेट से मिली जीत के बाद मिश्रित जोन में कहा कि, मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है लेकिन वह शत प्रतिशत से ज्यादा देने की कोशिश कर रहे हैं। राणा अभी नए हैं और पंड्या हरफनमौला है जो आम तौर पर वनडे मैच में दस ओवर नहीं डालते। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में आठ विकेट झटके हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मैच में बारिश करेगी काम खराब?

रविवार, 9 मार्च को चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। ये मुकाबला रविवार को दुबई में आयोजित होगा। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अगर फाइनल में बारिश हुई तो मैच का मजा किरकिरा हो जाएगा। लेकिन बारिश से प्रभावित होने वाले फाइनल को लेकर आईसीसी ने पहले ही नियम बना रखे हैं। 10 मार्च का दिन रिजर्व डे अगर फाइनल मैच के दौरान बारिश हुई तो ओवरों को घटाकर मैच करवाया जा सकता है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक फाइनल मैच में कम से कम 20 ओवरों का खेलना जरूरी है। हर टीम को 20-20 ओवर दिए जाएंगे। बारिश से प्रभावित होने वाले फाइनल में ओवरों की कटौती तय सम के बाद शुरू होता है। अगर ये मुकाबला रविवार, 9 मार्च को बारिश की वजह से नहीं खेला जा सका तब ये रिजर्व डे पर आयोजित होगा। 10 मार्च को फाइनल का रिजर्व डे है। अगर चौंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच ड्रॉ या टाई होता है तो विनर का फैसला सुपर ओवर से किया जाएगा। सुपर ओवर के नियम के मुताबिक दोनों ही टीमों को एक-एक ओवर खेलने का मौका मिलता है।

भारत के कारण पाकिस्तान को हुआ करोड़ों का नुकसान, लाहौर में नहीं दुबई में खेला जाएगा फाइनल मुकाबला

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबले लाहौर की बजाय दुबई में खेला जाएगा। इस मेगा इवेंट में भारत ने पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मात देकर फाइनल में एंट्री की। वहीं फाइनल मुकाबले के लाहौर की बजाय दुबई में होने से भारत ने पाकिस्तान का करोड़ों का नुकसान करा दिया है। दरअसल, सुरक्षा कारणों से टीम इंडिया ने पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया था। ऐसे में पहले ही तय हो गया था कि भारतीय टीम अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। इसके अलावा ये भी तय था कि 1 सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। साथ ही अगर भारतीय टीम फाइनल में पहुंचती है तो ये मैच दुबई में खेला जाएगा। अगर भारत फाइनल में नहीं पहुंचता तो ये मुकाबला लाहौर गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाना था। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल का वेन्यू बदलने से पाकिस्तान को तगड़ा नुकसान हो गया है। चौंपियंस ट्रॉपी की 8 साल बाद वापसी हुई। आखिरी बार ये टूर्नामेंट 2017 में खेला गया था। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुल 15 मुकाबले खेले जाने थे। इसके लिए 586 करोड़ रुपये का बजट था। ऐसे में हर मैच के लिए करीब 39करोड़ रुपये का बजट फिक्स था। पाकिस्तान को हुआ करोड़ों का नुकसान भारतीय टीम अब तक 4 मैच दुबई में खेल चुकी है। ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को 156 करोड़ रुपये का नुकसान तो हो चुका है। अब भारतीय टीम फाइनल में पहुंच चुकी है। ऐसे में पाकिस्तान को एक और मैच के लिए 39 करोड़ का नुकसान होगा और पीसीबी का कुल घाटा 195 करोड़ रुपये हो जाएगा।

बांग्लादेश के इस खिलाड़ी ने लिया संन्यास, सबसे ज्यादा वनडे खेलने का बनाया है रिकॉर्ड

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में बांग्लादेश का सफर ग्रुप स्टेज में खत्म हो गया था। टूर्नामेंट अपने आखिरी स्टेज में है। इस बीच बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने बुधवार को वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वह बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा वनडे खेलने वाले खिलाड़ी हैं। रहीम ने 19 साल के करियर में 7800 रन बनाए हैं। मुशफिकुर रहीम ने अगस्त 2006 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। अब वह इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले बांग्लादेशी खिलाड़ी हैं। उन्होंने 274 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 36.42 की औसत से 7,795 रन बनाए हैं। इसमें 144 रन का उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। इसमें 9 शतक शामिल हैं। विकेटकीपर के रूप में उन्होंने 243 कैच लिए और स्टंप के पीछे 56 स्टंपिंग की। 2005 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले मुशफिकुर 2007 में भारत के खिलाफ बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत में हिस्सा था। उन्हें वनडे क्रिकेट में बमुश्किल एक साल हुआ था। उन्होंने 2007 के क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ शानदार नाबाद 56 रन बनाए। उनकी इस पारी की बदौलत बांग्लादेश ने वैश्विक मंच पर भारत को चौंका दिया था। टीम इंडिया उस वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने फाइनल से पहले टीम इंडिया को ललकारा, कहा- हम पहले भी कर चुके हैं और फिर...

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 अपने आखिरी पड़ाव पर है। जहां रविवार, 9 मार्च को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खिताबी भिड़ंत होगी। बीते बुधवार न्यूजीलैंड टीम ने लाहौर में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका टीम को 50 रनों से हराकर फाइनल में एंट्री की। इस जीत के साथ ही कीवी कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारतीय टीम को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत को उनके लिए तैयार रहना चाहिए। सेमीफाइनल मैच के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि, फाइनल में पहुंचना एक बेहतरीन एहसास है। हमें एक अच्छी टीम से चुनौती मिली। हमने भारत के खिलाफ एक बार फिर प्रयास किया है, और हम इसे फिर से करने के लिए उत्सुक हैं। कीवी टीम ने 2021 के वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल में भारत को हराया था। इसके अलावा साल 2019 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफहार का सामना करना पड़ा था।

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में इन कप्तानों पर लटकी तलवार

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी में जहां कुछ टीमों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा तो कुछ टीमों ने निराशा किया। इसमें मेजबान टीम पाकिस्तान का बुरा हाल हुआ, जहां उसे पहले न्यूजीलैंड और फिर भारत के खिलाफहार झेलनी पड़ी।

अब तक 14 बार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंच चुका है भारत, सातवें खिताब पर टिकी होंगी नजरें

दुबई। भारत का पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय टीम ने पिछले साल टी20 विश्व कप में रोहित की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था जो 11 वर्षों में उसका पहला आईसीसी खिताब था। अब आठ महीने बाद ही टीम दूसरे आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है और खिताब के बेहद करीब है। रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम एक और आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने में सफल रही है। भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है जहां उसका सामना रविवार को दुबई में न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय इस टूर्नामेंट में अब तक अजेय चल रही है और लगातार चार मैच जीतकर फाइनल में पहुंची है। भारत अब खिताब से एक कदम दूर है। भारत का पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय टीम ने पिछले साल टी20 विश्व कप में रोहित की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था जो 11 वर्षों में उसका पहला आईसीसी खिताब था। अब आठ महीने बाद ही टीम दूसरे आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है और खिताब के बेहद करीब है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।